दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, बुधवार, 11 फरवरी 2026 | वर्ष : 01, अंक : 71, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

वार यूपी से

कयामत के लिए जीने वालों कायदे से रहो अब बाबरी मस्जिद कभी नहीं बनेगी : योगी

लखनऊ ● एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है। ये सरकार जितना बोलती उतना करती है। उतना ही बोलती है जितना करती है। जो कयामत के दिन आने का सपना देख रहे है वह दिन आने वाला नहीं है। बाबरी मस्जिद अब कभी भी नहीं बनने वाली है। हम अपनी विरासत को यूं ही मजबूत करेंगे। याद करिए 500 साल बाद अयोध्या में गौरवपूर्ण क्षण आया। कितनी सरकारें आई कितनी गईं। कितने राजा महाराजा हुए मगर अयोध्या में राम मंदिर क्यों नहीं बनवाया। राम सबके है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जो अवसरवादी रवैया अपनाकर संकट में राम को याद करते हैं। बाकी राम को विस्मित कर देते हैं इसलिए अब भगवान राम उनको भूल चुके हैं। सीएम योगी ने आगे कहा कि कयामत के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो। कानून मानोगे तो फायदे में रहोगे। नहीं तो आगे का रास्ता सीधा जहन्नुम जाता है। कानून तोड़ने वाले जहन्नुम जाएंगे। हर भारत वासी का एक ध्येय एक भारत श्रेष्ठ भारत हो। हमारा देश वैभवशाली हो। विकसित हो।

हर संत देश के लिए है और धर्म भी देश के लिए है। धर्म और देश एक आत्मा और शरीर है। भारत और सनातन एक दूसरे के पूरक है।

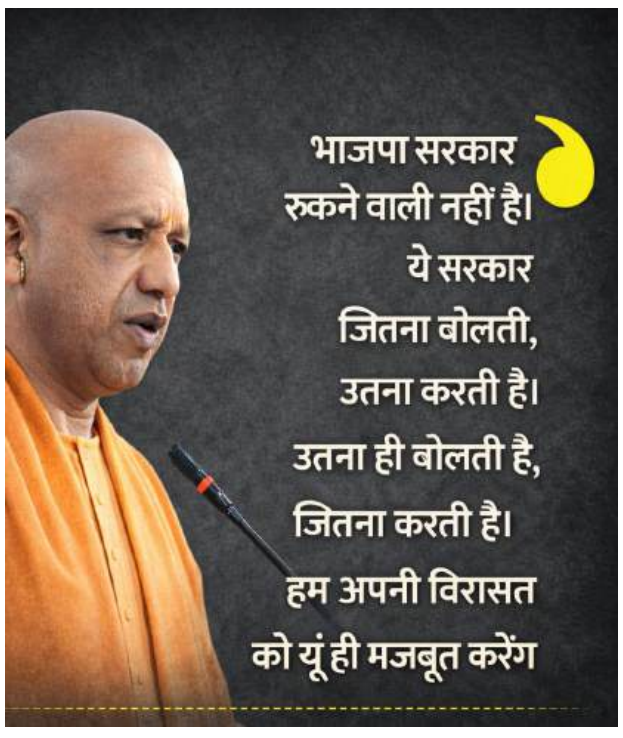

***सीएम योगी का बयान** : योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी में सभा में कहा कि बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण कयामत तक नहीं होगा। उन्होंने कहा जो लोग कयामत का सपना देख रहे हैं, उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने राम मंदिर के निर्माण का भी जिक्र किया और कहा कि यह उनकी प्रतिबद्धता और सनातन धर्म की ताकत का प्रतीक है। योगी ने अवसरवादियों और राम के नाम पर राजनीति करने वालों पर भी निशाना साधा।*

पलटवार बंगाल से

रोक सको तो रोक लो, मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाऊंगा' : हुमायूं कबीर

कोलकाता ● एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण पर दिया गया बयान विवाद का नया रूप ले रहा है। योगी ने कहा था कि बाबरी मस्जिद कयामत तक नहीं बनेगी, इस पर पूर्व तृणमूल कांग्रेस नेता और जनता उन्नयन पार्टी प्रमुख हुमायूं कबीर ने तीखा पलटवार किया है। हुमायूं कबीर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ को जो कहना है कहने दीजिए। बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार है और भारतीय संविधान मुझे मस्जिद बनाने का पूरा अधिकार देता है। जैसे मंदिर और चर्च बनते हैं, वैसे ही एक मुसलमान होने के नाते मैं मस्जिद बनाऊंगा।

यह लखनऊ या उत्तर प्रदेश नहीं, बल्कि बंगाल का मुर्शिदाबाद है। यहां मैं मस्जिद बनाकर रहूंगा, अगर कोई रोकना चाहता है, तो सामने आकर कोशिश करे।

उन्होंने बताया कि 6 दिसंबर 2025 को बाबरी ढांचे गिराए जाने की बरसी पर उन्होंने मस्जिद की नींव रखी थी और 11 फरवरी 2026 से निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। मैंने किसी को आने से नहीं रोका है, लेकिन किसी को विशेष रूप से आमंत्रित भी नहीं किया। सुबह 10 बजे करीब 1000-1200 मौलवियों और मुफ्तियों को आमंत्रित किया गया है और वे उपस्थित होंगे। बता दें हुमायूं कबीर पहले टीएमसी में थे, लेकिन निलंबन के बाद उन्होंने अपनी पार्टी बनाई। उनका कहना है कि यह उनका व्यक्तिगत और संवैधानिक अधिकार है।

***क्या था 1992 का बाबरी मस्जिद विवाद** : गौरतलब है कि यह विवाद 1992 में बाबरी मस्जिद गिराए जाने की घटना से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में फैसला सुनाया कि वहां राम मंदिर बनेगा और सुन्नी वक्फ बोर्ड को कहीं और 5 एकड़ जमीन दी जाएगी। राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी 2024 में हो चुका है।*

मप्र में तलाकशुदा बेटियों को मिलेगी पेंशन

मोहन कैबिनेट की बैठक संपन्न कई अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार की कैबिनेट बैठक संपन्न हो चुकी है। इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई है। मंत्री चैतन्य कश्यप ने कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि बालाघाट को हमारी सरकार ने नक्सल मुक्त कराया है। अगली कृषि कैबिनेट की बैठक बालाघाट में आयोजित की जाएगी। धान का समर्थन मूल्य प्रदेश में 51 लाख मेट्रिक टन से अधिक धान की उपार्जन हुई है। पेंशन योजना का राज्य के कर्मचारियों के 2005 से जो नई पेंशन योजना लागू हुई थी उस योजना के बाद में विभिन्न सर्कुलर व अलग-अलग परिपत्रों के माध्यम से अभी पेंशन का निर्धारण होता था। तो हमारे कर्मचारियों को कई चीजों में स्पष्टता नहीं रहती थी। अभी इस बार पूरा का पूरा एक नियम 2026 बना दिया गया है जिसमें न्यू पेंशन स्कीम पूरी लागू की गई है और इसमें महत्वपूर्ण बिंदु है पारिवारिक पेंशन जो केंद्र सरकार द्वारा पारिवारिक पेंशन का प्रावधान जरूर था परंतु वह बहुत कम लोगों को मिल पाती है। मध्य प्रदेश सरकार ने इसमें विशेष रूप से एक जो प्रावधान किया है वह प्रावधान है तलाकशुदा पुत्री। अभी तक पुत्रों को ही इसमें पेंशन प्राप्त होती थी। परंतु तलाकशुदा पुत्री का भी प्रावधान इसमें किया गया है। क्योंकि आप और हम सब जानते हैं के जो लड़कियां माता-पिता पर आश्रित रहती है और जब तलाक हो जाए तो उनका जीवन यापन बड़ा मुश्किल होता है। तो प्रदेश में उसको भी पेंशन की पात्रता रहेगी।

अमेरिकी दबाव के बीच केंद्र सरकार की दो टूक

भारत को जिन देशों से सस्ता तेल मिलेगा, उनसे खरीददारी जारी रहेगी

नई दिल्ली ● एजेंसी

सरकार ने मंगलवार को एक संसदीय समिति को बताया कि भारत उन देशों से कच्चे तेल खरीदना जारी रखेगा, जहां यह सस्ता और सबसे अच्छी गुणवत्ता वाला है। साथ ही, भारतीय तेल कंपनियां भू-राजनीतिक स्थिति और गैर-प्रतिबंधित स्रोतों को ध्यान में रखते हुए तेल की खरीदारी करेंगी।

सूत्रों के अनुसार विदेश मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने कांग्रेस नेता शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति को यह जानकारी दी। थरूर ने इस बैठक को बेहद प्रभावी बताया, जो तीन घंटे से अधिक समय तक चली और इसमें 30 में 28 सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के बाद थरूर

ने संवाददाताओं से कहा, 'अधिकारियों ने हर सवाल का बड़े विस्तार और आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया। यह समिति के कामकाज का एक बेहतरीन उदाहरण था।'

रूसी तेल और कृषि उत्पादों पर हुई चर्चा- सरकार की ओर से सांसदों के सामने अपनी बात रखने वालों में विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी शामिल थे। थरूर ने बताया कि बैठक का अधिकांश समय भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर केंद्रित रहा। इसमें रूसी तेल और कृषि उत्पादों सहित सभी विषयों पर चर्चा हुई।

व्यापार को बनाया जा रहा हथियार: शशि थरूर- अधिकारियों ने समिति को बताया कि भारत, अमेरिका के साथ अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने पर काम कर रहा है। अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले 18 प्रतिशत के जवाबी शुल्क पर थरूर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य में व्यापार का हथियार बनाया जा रहा है।

आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने भी इस प्रस्तुति को बहुत उपयोगी बताया और कहा कि अधिकारियों ने व्यापार समझौतों के प्रमुख पहलुओं पर विस्तार से स्पष्टीकरण दिया है।

श्रद्धालुओं के लिए रेलवे का बड़ा फैसला, 21 एक्सप्रेस ट्रेनें सीहोर में रुकेंगी

सीहोर। विश्व प्रसिद्ध कुबेरेश्वर धाम में आयोजित होने वाले भव्य रुद्राक्ष महोत्सव–2026 को लेकर इस बार रेलवे और जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक ऐतिहासिक पहल की है। पहली बार 21 एक्सप्रेस ट्रेनों को अस्थायी रूप से सीहोर रेलवे स्टेशन पर ठहराव दिया गया है, जिससे देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को सीधी और सुगम रेल सुविधा मिल सकेगी। रुद्राक्ष महोत्सव को लेकर पूरे सीहोर जिले में भक्तिमय वातावरण बनने लगा है। लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। 13 फरवरी से 22 फरवरी 2026 तक कुल 10 दिनों के लिए सीहोर रेलवे स्टेशन पर 21 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी स्टॉपेज निर्धारित किया गया है। इससे पूर्व सीहोर स्टेशन पर सीमित ट्रेनों का ही ठहराव होता था, लेकिन इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए रेलवे ने यह विशेष व्यवस्था की है।

'धुरंधर' को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली ● एजेंसी

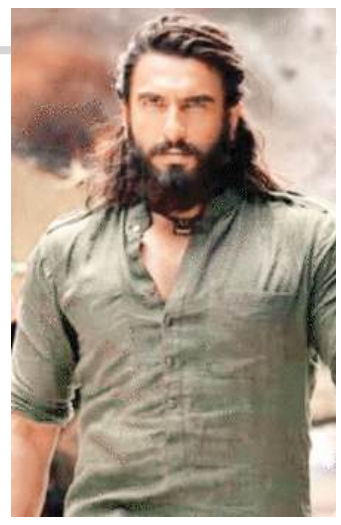

अभिनेता रणवीर सिंह फिल्म 'धुरंधर' के बाद इसके दूसरे पार्ट को लेकर सुर्खियों में हैं। अगले महीने 'धुरंधर 2' रिलीज होगी। इस बीच उन्हें एक वॉइस नोट भेजकर धमकी दी गई है। कहा जा रहा है कि एक अनजान शख्स ने अभिनेता से करोड़ों रुपये की रकम मांगी है।

जांच में जुटी पुलिस- मुंबई पुलिस के मुताबिक, फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के बाद रणवीर सिंह को एक धमकी भरा वॉइस नोट व्हॉट्सएप पर मिला है, जिसमें करोड़ों रुपये मांगे गए हैं। मुंबई पुलिस ने एक्टर के घर के बाहर सिक्योरिटी बढ़ा दी है और धमकी भेजने वाले का पता लगा रही है'।

बढ़ाई गई रणवीर के घर के बाहर सुरक्षा- रणवीर सिंह को धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद पुलिस को जानकारी दी गई। मुंबई पुलिस वॉइस नोट भेजने वाले की तलाश में जुट गई है। इस बीच अभिनेता के घर के बाहर सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। उनके घर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई है।

रणवीर-दीपिका की सोसाइटी के लोगों ने जताई चिंता- अभिनेता रणवीर सिंह को एक तरफ वॉइस नोट के जरिए धमकी दी गई है और करोड़ों की फिरौती मांगी गई है। वही दूसरी तरफ रणवीर और दीपिका मुंबई की जिस सोसाइटी में रहते हैं, उस सोसाइटी के लोगो ने बड़ी संख्या में तैनात सशत्र गार्ड को लेकर चिंता जताई है। सोसाइटी की तरफ से पुलिस को पत्र लिखा गया है। एक तरफ एक्टर को धमकी मिलने पर सुरक्षा बढ़ाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर उसी सुरक्षा को लेकर सोसायटी में सवाल उठ रहे हैं।

'साहब, आश्वासन तो सब देते हैं': बुजुर्ग की बात दिल को लगी तो विधायक ने हाथ पर लिख दिया वादा

भीलवाड़ा ● एजेंसी

भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर विधानसभा के कांटी क्षेत्र में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान माहौल उस समय भावनात्मक हो गया, जब मंच पर पहुंचे एक बुजुर्ग ने विधायक से दो टूक शब्दों में कहा कि साहब, आश्वासन तो सब देते हैं, लेकिन काम कोई नहीं करता। बुजुर्ग की इस बात ने पूरे कार्यक्रम का माहौल बदल दिया।

विधायक ने कागज नहीं, हाथ पर लिखा वादा- बुजुर्ग रामेश्वर लाल सेन की पीड़ा सुनते ही विधायक गोपीचंद मीणा ने मंच से भाषण देने के बजाय एक अलग रास्ता चुना। उन्होंने पेन निकाला और बुजुर्ग के हाथ पर साफ शब्दों में लिख दिया कि एक साल में पुल का निर्माण पूरा होगा। यह दृश्य देखते ही पूरे पंडाल में तालियों की गूंज सुनाई दी।

वर्षों से लंबित पुलिया बना ग्रामीणों की परेशानी- दरअसल, कांटी-घेवरिया खाल पर पुलिया निर्माण की मांग ग्रामीण लंबे समय से कर रहे हैं। बरसात के दिनों में यह मार्ग लोगों के लिए बड़ी समस्या बन जाता है।

टी-20 वर्ल्डकप - भारतीय खिलाड़ी परिवार के साथ नहीं रहेंगे

BCCI बोला- खुद के खर्च पर अलग रह सकते हैं

नई दिल्ली ● एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारतीय क्रिकेटर अपने परिवार (पत्नियां और मंगेतर) के साथ नहीं रह सकेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने टीम मैनेजमेंट की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें खिलाड़ियों की पत्नियों और मंगेतरों को टीम होटल में साथ ठहराने की अनुमति मांगी गई थी।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, BCCI ने स्पष्ट किया है कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों के परिवार को टीम के साथ ठहरने की इजाजत नहीं है। हालांकि, यदि

कोई खिलाड़ी चाहे तो अपने परिवार के लिए होटल में अलग ठहरने की व्यवस्था खुद कर सकता है। इसकी पूरी जिम्मेदारी उसे उठानी होगी।

मध्यप्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे जी का भव्य स्वागत, शिवाजी जयंती पर आमंत्रण

इंदौर ● संवाददाता

मध्यप्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे जी का नगर में आगमन पर समाजसेवियों एवं महिला संगठनों द्वारा आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय महिला मराठा महासंघ की अध्यक्ष एवं भाजपा नगर मंत्री एडवोकेट स्वाति काशिद तथा क्षत्रिय मराठा समाज की उपाध्यक्ष सविता जवकर ने अपने निवास स्थान पर उनका सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया।

स्वागत समारोह के दौरान श्रीमती अश्विनी परांजपे जी को पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता, समाज की पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में महिला सशक्तिकरण, संगठन की मजबूती और समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर एडवोकेट स्वाति काशिद एवं सविता जवकर

ने श्रीमती अश्वनी परांजपे जी को आगामी शिवाजी जयंती महोत्सव पर विशेष रूप से पधारने का ससम्मान निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन साहस, स्वाभिमान और नारी सम्मान का प्रतीक है तथा उनकी जयंती समाज को एकजुट होकर बड़े उत्साह के साथ मनानी चाहिए। श्रीमती अश्विनी परांजपे जी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा महिला मोर्चा महिलाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक और नेतृत्वक्षम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही समाज और राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव है। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत करने, युवतियों को राजनीति और सामाजिक कार्यों से जोड़ने तथा शिवाजी महाराज के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अंत में सभी ने सामूहिक रूप से शिवाजी जयंती को भव्य और ऐतिहासिक रूप देने का निर्णय लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भागीरथपुरा में बच्ची और बुजुर्ग की मौत

दूषित पानी से मौतों की संख्या 35 हुई; मुआवजे के चक्कर में प्रशासन अपडेट नहीं कर रहा आंकड़े

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से दो और मौत हुई हैं। 75 साल के बुजुर्ग शालिग्राम ठाकुर की सोमवार रात और दो साल की बच्ची रिया की मौत मंगलवार को सुबह हुई। गंदे पानी से अब तक कुल 35 लोगों की जान जा चुकी है।

शालिग्राम की बेटी मोना बघेल ने बताया कि 2 जनवरी को उलटी-दस्त के कारण शेल्बी हॉस्पिटल में रेफर किया गया था। वहां से उन्हें बॉम्बे हॉस्पिटल में एडमिट किया। इसके बाद वे वेंटिलेटर पर ही थे। करीब 12 दिन पहले उन्हें डिस्चार्ज किया गया था। परिजन का कहना है कि 18 साल पहले उन्हें लकवा हुआ था। इसके अलावा कोई तकलीफ नहीं थी। उधर, बॉम्बे हॉस्पिटल के जनरल मैनेजर राहुल पाराशर ने बताया कि मरीज को शुरू से ही कार्डियक की तकलीफ थी। वहीं, दो साल की बच्ची रिया पिता सूरज प्रजापति की मंगलवार सुबह 4:30 बजे मौत हुई। 27 दिसंबर को उलटी-दस्त के कारण परिजन ने उसे एक प्राइवेट अस्पताल में दिखाया था। इसके बाद हालत ठीक हुई, लेकिन बाद में फिर बिगड़ती गई। बच्ची के लिवर में तकलीफ बताई गई थी 15 दिन पहले रिया को चाचा नेहरू अस्पताल में एडमिट किया गया था। यहां उसके लिवर में तकलीफ बताई गई थी। इसके बाद उसे सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल में एडमिट किया गया, जहां करीब 5 दिन बाद उसकी मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि दूषित पानी के कारण ही तबीयत बिगड़ी। उसका असर लिवर तक हुआ।

'श्वसन संबंधी गंभीर बीमारी से जूझ रहे बुजुर्ग की घर पर हुई मौत'

स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि भागीरथपुरा निवासी 76 वर्षीय शालिग्राम ठाकुर का इलाज अरविंदो अस्पताल में चल रहा था। उन्हें श्वसन संबंधी गंभीर परेशानियां थीं। कल ही वे चिकित्सकीय परामर्श के विरुद्ध अरविंदो अस्पताल से घर चले गए थे और बाद में घर पर ही उनकी मृत्यु हो गई। डॉ. अशोक लड्ढा, विभागाध्यक्ष, पीडियाट्रिक सर्जरी ने बताया कि बेबी सिया प्रजापति पिता सूरज प्रजापति निवास भागीरथपुरा को 5 फरवरी को भर्ती किया गया था। बच्ची के लिवर में पस और निमोनिया था। लिवर से ऑपरेशन के द्वारा पस निकाला गया। इन्फेक्शन बढ़ने एवं मिर्गी के दौरे आने की वजह से आज बच्ची की मृत्यु हो गई।

गुइलेन बैरे सिंड्रोम से जूझ रही महिला

57 वर्षीय एक महिला गंभीर जीबीएस (गुइलेन बैरे सिंड्रोम) से जूझ रही हैं। हालांकि इस मरीज को जीबीएस होने का स्वास्थ्य विभाग खंडन कर चुका है, लेकिन परिजन का कहना है कि इसी बीमारी के कारण उन्हें HDU (High Dependency Unit) में एडमिट किया गया है। दरअसल, दूषित पानी के कारण इस महिला की हालत 28 दिसंबर को बिगड़ी थी। पहले उसे एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। इसके बाद 2 जनवरी को दूसरे बड़े हॉस्पिटल में रेफर किया गया। इस तरह करीब डेढ़ माह से इलाज चल रहा है। इस बीच हालत गंभीर होने पर 20 दिन से ज्यादा समय तक वह आईसीयू, वेंटिलेटर पर भी एडमिट रही। परिजन के मुताबिक, अभी ठीक होने में समय लगेगा। जीबीएस गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी जीबीएस एक दुर्लभ और गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अपनी ही स्वस्थ तंत्रिकाओं पर हमला करने लगती है। इसका एक कारण गंदे पानी में पनपने वाला कैम्पीलोबैक्टर जेजुनी बैक्टीरिया भी है। बीमारी के तहत हाथ-पैरों में झुनझुनी और सुन्नपन होता है। यह गैस्ट्रोएंटेराइटिस (पेट का इंफेक्शन) देखने में आता है। इसमें मरीज को ठीक होने में समय लगता है। इसमें 70% मरीज स्वस्थ हो पाते हैं। इसमें मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। मरीज सांस तक नहीं ले पाता है और वेंटिलेटर पर भी रखना पड़ता है।

HC के आदेश पर बना आयोग कर रहा जांच

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश पर इस मामले की जांच के लिए एक आयोग बनाया गया है। इस आयोग के अध्यक्ष एमपी हाईकोर्ट के रिटायर्ट जज सुशील कुमार गुप्ता हैं।

आयोग किन पॉइंट्स पर जांच कर रहा?

- पीने का पानी कैसे और क्यों प्रदूषित हुआ?
- इसमें किस स्तर पर प्रशासन की लापरवाही हुई?
- कौन-कौन लोग इसके जिम्मेदार हैं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई हो सकती है?
- लोगों की सेहत पर इसका क्या असर पड़ा?
- कितनी जनहानि हुई?

भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए क्या सुधार जरूरी हैं?

इस मामले को लेकर आयोग ने सार्वजनिक सूचना भी जारी की है। इसमें प्रभावित लोगों, उनके परिवारों, जनप्रतिनिधियों, डॉक्टरों, अस्पतालों, सामाजिक संगठनों, ठेकेदारों, सरकारी अधिकारियों और ऐसे किसी भी व्यक्ति से अपील की है जिसके पास इस मामले से जुड़ी कोई जानकारी, कागजात या सबूत हों। वे आयोग के सामने आकर अपनी बात रखें और सहयोग करें। यह जांच आम लोगों की सुरक्षा और न्याय के लिए की जा रही है।

गुल्लक के पैसे से बिस्किट खरीदा, कलेक्टर को कहा थैंक्यू

इंदौर में बच्चे ने इलाज के लिए मिली मदद पर जताया आभार, कलेक्टर हुए भावुक

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को हुई जनसुनवाई में बेहद भावुक करने वाला नजारा देखने को मिला। यहां कलेक्टर शिवम वर्मा के पास एक 12 साल का बच्चा तैय्यब पहुंचा और उन्हें धन्यवाद देते हुए एक बिस्किट का पैकेट भेंट किया। कलेक्टर भी इस पल को देख भावुक हो गए और बच्चे के उज्जवल भविष्य की कामना की। दरअसल, तैय्यब को किडनी सहित अन्य समस्या थी। उसके परिजनों ने कुछ समय पूर्व जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर से मदद की गुहार लगाई थी और कलेक्टर ने तुरंत बच्चे के इलाज की उचित व्यवस्था की। इसके बाद अब बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ हो चुका है और आज उसने अपने गुल्लक से निकले पैसों से एक बिस्किट का पैकेट खरीदा और कलेक्टर दिया।

लोगों ने कलेक्टर का किया धन्यवाद

जनसुनवाई में दिव्यांग दंपत्ति श्याम पटेल और उनकी पत्नी सरस्वती पटेल को आवास की सौगात मिली। दिव्यांग श्याम पटेल, जो ई-ऑटो रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, ने बताया कि उनका सपना अपना खुद का घर बनाने का था। इसी उद्देश्य से वे जनसुनवाई में कलेक्टर से मिले थे। एक अन्य प्रकरण में पीड़ित राजू थोरात अपने हाथ के उपचार के बाद प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित करने पहुंचे। पूजा वोहरा भी अपने पति के सफल उपचार के बाद जनसुनवाई में आभार व्यक्त करने पहुंची।

जनसुनवाई में 290 शिकायतें मिलीं

इस बार नई व्यवस्था त्रिस्तरीय सुरक्षा जांच के बाद सभी आवेदकों को कक्ष में प्रवेश दिया गया। जनसुनवाई में करीब 290 शिकायतें मिली है इसमें राजस्व, चिकित्सा, स्वास्थ्य, पुलिस विभाग और आपसी विवाद से जुड़े आवेदन हैं। जनसुनवाई के माध्यम से कई लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए मदद की गई है।

सूने घर से 60 लाख की चोरी

वैष्णोदेवी यात्रा के दौरान सूना था मकान, सीसीटीवी वीडियो में दिखे चोर

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में बदमाशों ने एक दंपति के घर से बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। दंपति वैष्णोदेवी यात्रा पर गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने घर से करीब 25 लाख रुपए के सोने के आभूषण और 35 लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। घटना की जानकारी घर लौटने पर सामने आई।

पुलिस के अनुसार चोरी की यह वारदात बाणेश्वरी कुंड के पीछे स्थित डागर मोहल्ले में हुई। मकान मालिक मनीषा और विनोद यादव वैष्णोदेवी यात्रा से लौटे तो घर का सामान बिखरा हुआ मिला। दंपति ने घर के अंदर जांच की तो अलमारी और अन्य स्थानों से करीब 25 लाख रुपए के सोने के आभूषण और 35 लाख रुपए नकद गायब पाए गए। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। प्लॉट के सौदे से मिले थे 35 लाख रुपए जानकारी के मुताबिक विनोद यादव का रामनगर क्षेत्र में एक प्लॉट था, जिसे उन्होंने कुछ दिन पहले बेचा था। इस सौदे से उन्हें 35 लाख रुपए नकद मिले थे, जिन्हें उन्होंने नई संपत्ति खरीदने के इरादे से घर में रखे थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की है। अधिकारियों का कहना है कि कुछ संदिग्धों की जानकारी सामने आई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

बस की टक्कर से एक्टिवा सवार की मौत

ओवरटेक के दौरान हुआ हादसा, सिर के ऊपर से निकला बस का पहिया

इंदौर ● संवाददाता

शिप्रा थाना क्षेत्र के मांगलिया टोल के पास सोमवार रात चार्टर्ड बस की टक्कर से एमआईजी निवासी संतोष कुशवाह की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी कपूरीबाई गंभीर रूप से घायल हैं। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार देवास से इंदौर लौट रहे दंपति की एक्टिवा को बस क्रमांक MP13-P7-290 ने ओवरटेक करते समय टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिर गए और संतोष के सिर के ऊपर से बस का पहिया निकल गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बस व चालक को थाने ले गई। घायल कपूरीबाई का अरविंदो अस्पताल में इलाज जारी है। मृतक के भाई अंकित ने बताया कि परिवार शादी समारोह से लौट रहा था और वह अलग वाहन से पीछे चल रहे थे। बस ने पहले उनकी बाइक को ओवरटेक किया और फिर संतोष की एक्टिवा को टक्कर मार दी। संतोष निजी कार्य करते थे और उनके दो बच्चे हैं। एबी रोड पर हुए एक अन्य हादसे में खरगोन जिले के ग्राम बकानेर निवासी किसान बाबूलाल कटारे की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार वह अपनी छोटी बेटी का रिश्ता लेकर भैसलाय गांव आए थे।

इंदौर में कोचिंग टीचर ने की नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़

किस मांगी, हाथ पकड़कर केबिन में खींचा परिजन ने पिटाई के बाद पुलिस को सौंपा

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में कोचिंग संचालक ने 10वीं क्लास की छात्रा से छेड़छाड़ की है। डेली कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा की शिकायत पर अन्नपूर्णा पुलिस ने कैटेलाइजर कोचिंग संस्थान के टीचर आदेश जोशी के खिलाफ FIR दर्ज कर ली है।

छात्रा ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे वह कोचिंग गई थी। कुछ कागजात न होने के कारण पहली मंजिल पर बने क्लासरूम में बैग रखकर नीचे आई। इसी दौरान आदेश ने इशारे से अपने पास बुलाकर बैठने को कहा। बाद में आदेश पैसेज एरिया में चला गया। वहां बुलाकर छात्रा से किस करने की बात कही। छात्रा का हाथ पकड़कर उसे केबिन में ले गया, जबरन अपनी ओर खींचने की कोशिश की। सीनियर टीचर ने मामले को दबाने की कोशिश की छात्रा किसी तरह वहां से निकलकर ऊपर सीनियर टीचर के पास पहुंची। उसे पूरी घटना बताई। छात्रा का आरोप है कि सीनियर टीचर ने मामले को दबाने का प्रयास किया। इसके बाद जब छात्रा बैग उठाने गई, तो आदेश फिर उसके पास आया। उसके बैग से परफ्यूम निकालकर अपने कपड़ों पर लगा लिया। घबराई छात्रा वहां से भागकर घर पहुंची। परिजन को घटना के बारे में बताया। परिजन कोचिंग पहुंचे और आरोपी टीचर की पिटाई कर दी। पुलिस को फोन किया। एफआरवी 112 की टीम ने टीचर को थाने पहुंचाया। पूजा के बहाने महिला से छेड़छाड़ दूसरा मामला इंदौर में ही एरोड्रम थाना इलाके का है। यहां पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर उसके परिचित पुजारी सुनील केसरे के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि उसने नए मकान में पूजा कराने के लिए देवास निवासी सुनील को बुलाया था। पूजा में वह अपनी बेटी के साथ बैठी थी। इसी बीच सुनील ने महिला के सीने और गाल पर गलत तरीके से हाथ लगाना शुरू कर दिया।

बाजारों की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने सड़क पर उतरे अधिकारी

दुकानदार-व्यापारियों से कहा गाडियां पार्किंग में रखो, बाजारों में व्यवस्थाओं को देखा

इंदौर ● संवाददाता

राजवाड़ा क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस अधिकारी सड़क पर उतरे। उन्होंने यहां के मुख्य बाजारों का दौर किया और जरूरी दिशा-निर्देश देने के साथ ही जनता से भी अपील की। अधिकारियों के इस प्रयास से राजवाड़ा इलाका ट्रैफिक सुचारू रूप से संचालित हो रहा है।

मंगलवार को डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने ट्रैफिक पुलिस टीम के साथ मुख्य बाजारों में पैदल निकले। यहां व्यापारी भी उनके साथ मौजूद रहे। उन्होंने राजवाड़ा, सराफा, कपड़ा मार्केच, खजूरी बाजार, सुभाष चौक और आसपास की पार्किंग को भी देखा और ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग की स्थिति और लोगों की सुविधाओं का जायजा लिया।

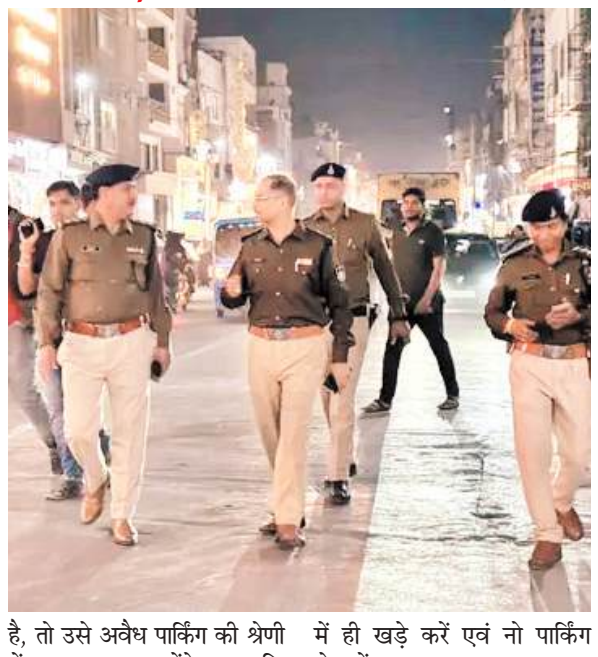

पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों और व्यापारियों से अपील की है कि वे अपनी गाड़ियों को निर्धारित पार्किंग में ही पार्क करें, जिससे दुकानों के बाहर बनी सफेद पट्टी के भीतर ग्राहक अपने वाहन कुछ समय के लिए खड़े कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी दुकान के बाहर कोई वाहन लंबे समय तक खड़ा रहता है, तो उसे अवैध पार्किंग की श्रेणी में माना जाएगा। उन्होंने बताया कि ऐसे वाहनों की शिकायत लोगों और व्यापारी यातायात पुलिस व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 7049107620 पर कर सकते हैं, जिस पर यातायात पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वाहन चालकों से भी अपील की गई कि वे अपनी गाड़ियां निर्धारित पार्किंग में ही खड़े करें एवं नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा कर यातायात बाधित न करें। यातायात पुलिस द्वारा लगातार प्रयास एवं नियमित भ्रमण के परिणामस्वरूप राजवाड़ा क्षेत्र का यातायात सुचारू रूप से संचालित रहा तथा वाहन चालकों के साथ-साथ पैदल यात्रियों को भी आवागमन में सुविधा मिल रही है।

महाशिवरात्रि उत्सव : दूल्हा स्वरुप में सजेंगे ज्योतेश्वर महादेव, लगेगी हल्दी, निकलेगी शिव बारात

खरगोन ● संवाददाता

खरगोन। शिव-शक्ति उपासना का पर्व महाशिवरात्रि 15 फरवरी को मनाया जाएगा। इस महापर्व की तिथि नजदीक आते ही शिवभक्तों का उत्साह बढऩे लगा है। मंदिरों में जहां रंग-रोगन, साज- सज्जा की जा रही है तो वहीं शिवजी को दूल्हे के रुप में सजाकर शिव बारात निकालने की तैयारियां भी तेज हो गई है।

शहर में धार्मिक आयोजनों का केंद्र बिंदू माने जाने वाले ज्योति नगर में भी महाशिवरात्रि उत्सव की तैयारियां जोरों पर है। यहां विराजित ज्योतेश्वर महादेव का महाशिवरात्रि पर मनोहारी श्रृंगार किया जाएगा। यहां शिव विवाह की जीवंत झांकी भी सजाई जाएगी।

मंदिर समिति के इंजीनियर नीतिन मालवीय ने बताया कि महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन भक्ति और उत्साह के साथ किया जाएगा। महोत्सव के दौरान भगवान ज्योतेश्वर महादेव को हल्दी और चंदन लगाकर दूल्हा स्वरूप में सजाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शिवजी को दूल्हा स्वरुप में सजाना महाशिवरात्रि पर उज्जैन की प्राचीन

धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कॉलोनी के वरिष्ठ एल एन मालवीय ने बताया वायु पुराण के अनुसार, प्रलयकाल में समस्त संसार इसी शिवलिंग में मिल जाता है और फिर इसी से सृजन होता है। कई लोगों का मानना है शिवलिंग पर हल्दी नहीं चढ़ाई जाती है, जबकि शिव पुराण के अनुसार, ऐसी मान्यता है कि शिवलिंग पर हल्दी एकमात्र नहीं चढ़ाई जाती है। इसमें हल्दी और गंगाजल का मिश्रण होता है। जो उबटन के समान माना जाता है। इसलिए जब इस उबटन को भगवान शिव के आदि और अनंत स्वरूप शिवलिंग पर चढ़ाते हैं तो इससे व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी होती है।

मंदिर समिति के प्रचार-प्रमुख दिलीप सोनी ने बताया कि मंदिर में विराजित महादेवजी का दूल्हा स्वरुप में श्रृंगार करने के साथ ही यहां शिव बारात भी निकाली जाएगी। इस दौरान भगवान शिव और माता स्वरुप में जीवंत झांकी भी सजाई जाएगी। सांकेतिक शिव- बारात निकालकर प्रतिकात्मक शिव-विवाह प्रस्तुति के श्रद्धालू साक्षी बनेंगे। इस दौरान भक्तों को दिनभर फलाहारी प्रसादी का वितरण भी होगा।

जनसुनवाई में महिला स्व-सहायता समूहों की शिकायत

बड़वानी में लेनदेन में गड़बड़ी का आरोप, कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

बड़वानी ● संवाददाता

बड़वानी जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान ग्राम बिलवानी, तहसील राजपुर की 15 से 20 महिला सदस्यों ने तीन महिला स्व-सहायता समूहों में लेनदेन की गंभीर अनियमितताओं की शिकायत की। महिलाओं ने कलेक्टर के समक्ष समूह की बुक की जांच और पूरे हिसाब की मांग की।

महिलाओं द्वारा प्रस्तुत आवेदनों के अनुसार, गायत्री सहायता समूह, अन्नपूर्णा सहायता समूह और माँ लक्ष्मी सहायता समूह के नाम से लिए गए ऋण की पूरी राशि सदस्यों को नहीं दी गई। शेष राशि का आज तक कोई हिसाब नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त, महिलाओं से वसूली गई किश्त की राशि भी बैंक में जमा नहीं कराई गई, जिससे समूह की सदस्य आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हैं। गायत्री सहायता समूह द्वारा कुल 9 लाख 12 हजार 500 रुपये का ऋण

लिया गया था, जिसमें से केवल 5 लाख 68 हजार 100 रुपये ही महिलाओं को दिए गए। शेष 3 लाख 44 हजार 400 रुपये का कोई लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं है। इसी प्रकार, अन्नपूर्णा सहायता समूह में 4 लाख 74 हजार 109 रुपये के ऋण में से केवल 3 लाख रुपये का वितरण किया गया, जबकि 1 लाख 74 हजार 109 रुपये का हिसाब नहीं मिला। वहीं, माँ लक्ष्मी सहायता समूह में 6 लाख रुपये के ऋण में से सिर्फ 2 लाख रुपये ही सदस्यों को दिए गए, जबकि 4 लाख रुपये की राशि का कोई स्पष्ट विवरण नहीं है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि संबंधित बुक कीपरों पर भरोसा कर लेनदेन का कार्य सौंपा गया था, लेकिन उनके द्वारा न तो पूरी राशि का वितरण किया गया और न ही महिलाओं से एकत्रित किश्त की रकम बैंक में जमा कराई गई। इस संबंध में आजीविका मिशन राजपुर को भी पूर्व में सूचना दी गई थी, लेकिन एक माह बीत जाने के बावजूद कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई।

बिजली चोरी पकड़ने गई टीम के सामने तोड़ा स्मार्ट मीटर

सीहोर में चालू लाइन खींचकर फेंकी, उपभोक्ता ने की अभद्रता, केस दर्ज

सीहोर ● संवाददाता

सीहोर नगर में बिजली चोरी पकड़ने गई विद्युत वितरण कंपनी की टीम के सामने ही उपभोक्ता ने चालू लाइन में स्मार्ट मीटर तोड़ दिया। नाराज उपभोक्ता ने सर्विस लाइन भी खींचकर फेंक दी और अधिकारियों से अभद्रता की। कंपनी के अधिकारियों ने कोतवाली थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार, विद्युत वितरण कंपनी शहर में लगातार स्मार्ट मीटर लगा रही है। इन मीटरों से छेड़छाड़ और बिजली चोरी की सटीक जानकारी कंपनी को मिल रही है। इसी आधार पर जोन-1 के एई अतुलेश सिंह अपनी टीम के साथ मंगलवार को कस्बा क्षेत्र स्थित जमशेद नगर पहुंचे थे।

टीम ने जाहिर नामक व्यक्ति के घर बिजली चोरी पकड़ी। चोरी पकड़े जाने पर वहां मौजूद जुनैद नामक व्यक्ति भड़क गया। उसने स्मार्ट मीटर में तोड़फोड़ कर उसे और सर्विस लाइन को उखाड़कर फेंक दिया। उसने अधिकारियों से कहा कि मीटर अभी उखाड़कर ले जाओ।

पुलिस थाने पहुंचा मामला

अधिकारियों ने समझाया कि आवेदन देने पर ही नियमानुसार मीटर हटाया जाएगा, लेकिन उपभोक्ता नहीं माना। इस घटना के बाद एई अतुलेश सिंह ने कोतवाली थाने पहुंचकर पुलिस को मामले की लिखित सूचना दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अल्ट्राटेक के खिलाफ रघुनाथपुर में ग्रामीणों का प्रदर्शन

अनियमित क्लिंकर परिवहन से धूल का आरोप, रेलवे स्टेशन पर आंदोलन

सीधी ● संवाददाता

सीधी जिले के रामपुर नैकिन तहसील के ग्राम रघुनाथपुर में अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री मझिगंवा के खिलाफ ग्रामीणों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। मंगलवार दोपहर 1 बजे से रघुनाथपुर (बघवार) रेलवे स्टेशन परिसर में किसान और ग्रामीण धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। यह आंदोलन अनियमित क्लिंकर परिवहन और भंडारण के विरोध में किया जा रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री द्वारा खुले में क्लिंकर का परिवहन, भंडारण और रेलवे बोगियों में लोडिंग की जाती है। इससे पूरे क्षेत्र में चूना पत्थर की धूल फैल गई है। ग्रामीणों के अनुसार, धूल के कारण दिन में खाना-पीना मुश्किल हो गया है, रात में सांस लेने में दिक्कत होती है और घर से बाहर निकलते ही

आंखों में धूल भर जाती है। लगातार धूल के संपर्क में रहने से कई लोग बीमार हो चुके हैं, जिनमें बच्चे और बुजुर्ग विशेष रूप से प्रभावित हैं। खबर लिखे जाने तक न तो रेलवे विभाग का कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचा और न ही अल्ट्राटेक प्रबंधन की ओर से कोई प्रतिनिधि सामने आया। आंदोलन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए थाना प्रभारी रामपुर नैकिन सुधांशु तिवारी अपनी टीम के साथ मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि चूंकि यह आंदोलन रेलवे स्टेशन परिसर में हो रहा है, यह मूल रूप से जीआरपी का कार्यक्षेत्र है, लेकिन स्थानीय पुलिस सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह मोर्चा संभाले हुए है और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम कर रही है। इस मामले पर अधिवक्ता अंबुज पांडे ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि किसान और ग्रामीण लंबे समय से परेशान हैं। क्लिंकर की धूल से कई किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, घरों के भीतर तक धूल घुस गई है, और बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर कई लोगों को मेडिकल कॉलेज रीवा रेफर किया गया है। इसके बावजूद अल्ट्राटेक प्रबंधन द्वारा अब तक कोई ठोस और स्थायी समाधान नहीं किया गया है। अधिवक्ता अंबुज पांडे ने चेतावनी दी कि यदि इसी तरह नियमों की अनदेखी और मनमानी जारी रही, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और कंपनी प्रबंधन की होगी।

हड्डियों से भरा ट्रक पकड़ा, हंगामे के बाद चार गिरफ्तार

ग्वालियर में गौ सेवकों ने जताई गौवंश की हड्डियों की आशंका, सैंपल जांच के लिए भेजे जाएंगे

खरगोन ● संवाददाता

ग्वालियर में सोमवार देर रात हड्डियों से भरा एक ट्रक पकड़े जाने के बाद हंगामे की स्थिति बन गई। गौ सेवकों ने ट्रक को रोककर उसमें भारी मात्रा में हड्डियां मिलने पर विरोध प्रदर्शन किया और चार लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना झांसी रोड थाना क्षेत्र के चेतकपुरी रोड की है। जानकारी के मुताबिक ट्रक सेवा नगर से शिवपुरी की ओर जा रहा था, तभी गौ सेवकों को संदेह हुआ और उन्होंने ट्रक को रोक लिया। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में हड्डियां मिलीं, जिसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और लोगों ने ट्रक में तोड़फोड़ कर नारेबाजी करते हुए धरना दिया। सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करते हुए ट्रक को जब्त कर लिया। चालक सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि हड्डियों के सैंपल जांच के लिए भेजे जाएंगे, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि हड्डियां किसकी हैं। यह भी पता किया जा रहा है कि मामला अवैध परिवहन से जुड़ा है या नहीं।

चार लोगों पर मामला दर्ज

शिकायतकर्ता पंकज ठाकुर की शिकायत पर पुलिस ने आसिफ खान, शाहरुख खान, अनवर खान और अरमान खान के खिलाफ पशुक्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर तनाव की स्थिति रही, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में हालात नियंत्रण में हैं।

रिहंद डैम में डूबे युवक का शव बरामद, 22 घंटे बाद एसडीआरएफ ने निकाला

सिंगरौली। सिंगरौली जिले के रिहंद डैम में डूबे 18 वर्षीय युवक संतोष कुमार शाह का शव मंगलवार को बरामद कर लिया गया। वह सोमवार दोपहर नाव से गिरकर लापता हो गया था। एसडीआरएफ की टीम ने करीब 22 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शव को डैम से निकाला। नगर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रजापति ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हादसा सोशल मीडिया के लिए रील बनाने के दौरान हुआ। युवक चलती नाव में खड़े होकर वीडियो बना रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ा और वह रिहंद डैम के गहरे पानी में गिरकर डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही सोमवार से ही पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु कर दिया था। पानी की गहराई और डैम के फैलाव के कारण तलाश अभियान में काफी कठिनाई आ रही थी।

मंडला में पेयजल संकट गहराया

विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने कलेक्टर से की शिकायत, तत्काल समाधान की मांग

मंडला ● संवाददाता

मंडला जिले के ग्रामीण इलाकों में गर्मी का मौसम शुरू होने से पहले ही पेयजल संकट गहरा गया है। मंगलवार को जिले के विभिन्न गांवों से आए ग्रामीणों और महिलाओं ने जिला मुख्यालय में कलेक्टर से मुलाकात कर पानी की समस्या बताई और तत्काल समाधान की मांग की।

घुघरी जनपद की नैझर पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में लगभग तीन साल पहले पानी की टंकी का निर्माण हुआ था। कुछ मोहल्लों में पाइपलाइन बिछाकर नल कनेक्शन दिए गए हैं, लेकिन कई क्षेत्रों में अभी तक पाइपलाइन नहीं डाली गई है। ग्रामीणों के अनुसार, टंकी बनने के बाद भी आज तक उसमें पानी भरकर परीक्षण नहीं किया गया, जिससे नल जल योजना शुरू नहीं हो पाई है। उन्होंने योजना को शीघ्र शुरू करने की मांग की।

घुघरी जनपद की पाटन पंचायत के ग्राम बिजोरा के ग्रामीण पिछले छह माह से गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। गांव में नल जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाई गई है, लेकिन कार्य अधूरा है। इसके चलते ग्रामीणों को लगभग दो किलोमीटर दूर नाले और कुओं से पानी लाना पड़ रहा है।

नारायणगंज जनपद के वन ग्राम साजपानी से आई महिलाओं ने भी पीने के पानी की गंभीर समस्या बताई। उन्होंने जानकारी दी कि तीन साल पहले दो बोरवेल खोदे गए थे, जिनमें पर्याप्त पानी उपलब्ध है। हालांकि, अब तक उनमें न तो हैंडपंप लगाए गए हैं और न ही पानी के उपयोग की कोई व्यवस्था की

गई है। महिलाओं ने इन बोरवेल में सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप लगाने की मांग की।

इस संबंध में पीएचई कार्यपालन यंत्री मनोज भास्कर ने बताया कि नैझर पंचायत में योजना पूरी हो चुकी है। वहां कुएं से पानी की आपूर्ति की योजना थी, लेकिन ग्रामीण बोरवेल से पानी की आपूर्ति की मांग कर रहे हैं, जबकि इस क्षेत्र में बोरवेल सफल नहीं हैं। बिजोरा गांव के संबंध में उन्होंने कहा कि नल जल योजना पूरी करके पंचायत को सौंप दी गई थी, लेकिन सड़क निर्माण के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि एमपीआरडीसी से समन्वय स्थापित कर जल्द ही समाधान किया जाएगा।

छिंदवाड़ा में रेत माफिया पर आधी रात को रेड

पेंच नदी के घाटों से 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, सोनपुर में भी खनन जारी, कार्रवाई की मांग

छिंदवाड़ा ● संवाददाता

छिंदवाड़ा में प्रशासन ने अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 9 और 10 फरवरी की दरमियानी रात तहसीलदार, खनिज विभाग और शिवपुरी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने पेंच नदी के अलग-अलग घाटों पर दबिश दी। इस दौरान अवैध रेत से भरे 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए हैं। प्रशासन की इस सख्ती से घाटों पर देर रात तक हड़कंप मचा रहा।

संयुक्त टीम ने पेंच नदी के फुटेरा, बिजौरी, लोहांगी और कपरवाड़ी घाट पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान निरीक्षक कंचन सिंह राजपूत, उपनिरीक्षक नरेन्द्र कुमार तिवारी

और आरक्षक सतेन्द्र बघेल शामिल रहे। जब्त किए गए वाहनों पर खनिज विभाग द्वारा आगे की कार्यवाही की जा रही है।

इधर, छिंदवाड़ा के सोनपुर क्षेत्र में भी अवैध रेत परिवहन की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। सोनपुर बस्ती के अंदर से बहने वाली कुल बहेरा नदी के कई घाटों से लगातार रेत निकाली जा रही है। बताया जा रहा है कि इनमें से कई घाट ऐसे हैं, जहां रेत उत्खनन की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए परिवहन धड़ल्ले से जारी है।

रहवासियों ने की सख्ती की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे अवैध गतिविधियां बेखौफ चल रही हैं। प्रशासन की पेंच नदी के घाटों पर हुई कार्रवाई के बाद अब सोनपुर क्षेत्र में भी वैसी ही सख्ती की मांग तेज हो गई है।

मंडलेश्वर में द्वादश पाट महोत्सव आज से

महेश्वर। मंडलेश्वर में ठाकुर श्री राधाविनोद बिहारी जी का द्वादश पाट महोत्सव बुधवार, 11 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नर्मदा तट पर दिव्य नौका विहार लीला और वृंदावन के रसिक संतों के सान्निध्य में रासलीला का मंचन होगा। प्रातः 9 बजे माँ नर्मदा के पावन तट पर भगवान की 'नौका विहार लीला' का आयोजन होगा, जिसमें ठाकुर जी नौका में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। महोत्सव का विशेष आकर्षण वृंदावन से पधारे रसिक संतों का सान्निध्य रहेगा, जिनकी उपस्थिति में दिव्य रासलीलाओं का मंचन किया जाएगा। इन भव्य आयोजनों की पूर्व तैयारियों का जायजा लेने के लिए मंगलवार को विधायक राजकुमार मेव ने प्रशासनिक अमले के साथ नर्मदा घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीएम सुश्री पूर्वा मण्डलोई, नायब तहसीलदार संजय बावेल, थाना प्रभारी पंकज तिवारी सहित पीडब्ल्यूडी और बिजली विभाग के अधिकारियों को व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।

खंडवा में AI से पति का चाची संग बनाया फोटो : 50 हजार ठगे, पत्नी भोपाल से अरेस्ट, ब्वॉयफ्रेंड के मोबाइल में मिले 10 फर्जी अकाउंट

खंडवा ● संवाददाता

खंडवा में एक महिला को AI से बनाई गई अश्लील तस्वीरों के जरिए बदनाम करने और 50 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले की आरोपी महिला के परिवार की ही बहू निकली। पुलिस ने सोमवार को उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

आरोपी महिला ने अपने पति और उसकी चाची की सोशल मीडिया से तस्वीरें उठाईं और उन्हें AI तकनीक से अश्लील रूप में बदल दिया। इसके बाद इन तस्वीरों को वायरल करने की धमकी देकर विधवा महिला से 50 हजार रुपये ऐंठ लिए। पुलिस जांच में सामने आया कि, आरोपी महिला राखी कपाड़िया भोपाल में अपने ब्वॉयफ्रेंड शाहरूख के साथ रहती है। उसने पति सुदामा को छोड़ दिया हैं। राखी को शक था कि उसके पति का उसकी विधवा चाची के साथ अफेयर हैं। चाची को बदनाम करने के लिए उसने सोशल मीडिया से पति और चाची के फोटो निकाले। इसके बाद उन तस्वीरों को एआई के जरिए अश्लील रूप दिया। फिर सारे रिश्तेदारों को फोटो शेयर कर दिए। रिश्तेदारी में बदनामी हुई तो विधवा चाची ने पुलिस से शिकायत की।

12वीं बोर्ड : पहले दिन 13 नकल के प्रकरण बने

भोपाल में 7 और ग्वालियर में 6 केस आए सामने, 3604 परीक्षा केंद्रों पर हुई परीक्षा

भोपाल ● संवाददाता

मध्य प्रदेश में 12वीं बोर्ड परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गई। पहले दिन अंग्रेजी का पेपर हुआ। इस दौरान प्रदेश में 13 नकल के मामले दर्ज हुए हैं। सबसे ज्यादा 7 केस भोपाल और 6 केस ग्वालियर से सामने आए हैं। बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि ज्यादातर केस ग्रामीण क्षेत्रों के हैं। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अंग्रेजी विषय की परीक्षा प्रदेश के कुल 3604 परीक्षा केंद्रों पर हुई। जिसमें लगभग 61,2609 स्टूडेंट्स शामिल हुए।

बता दें, इस वर्ष नकल रोकने के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड, सीसीटीवी निगरानी और थानों से प्रश्न-पत्र निकालने तक वीडियोग्राफी की गई है। भोपाल के 104 सेंटर पर 2600 के करीब स्टूडेंट ने मंगलवार को एग्जाम दिया है।

226 एग्जाम सेंटर की सीसीटीवी से निगरानी

पायलेट प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के 3 जिलों के 226 एग्जाम सेंटर पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। इन कैमरों की लाइव स्ट्रीमिंग परीक्षा अवधि में मंडल मुख्यालय और जिले के कलेक्टर व जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में बनाए गए कन्ट्रोल रूम में किए जाने के व्यवस्था की गई है।

प्रदेश भर में 16 लाख से ज्यादा छात्र शामिल

इस बार प्रदेश में 10वीं और 12वीं की परीक्षा में करीब 16 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनमें 9 लाख 7 हजार विद्यार्थी कक्षा 10वीं की परीक्षा देंगे, जबकि करीब 7 लाख छात्र 12वीं की बोर्ड परीक्षा में बैठ रहे हैं। इतने बड़े स्तर पर होने वाली परीक्षाओं को शांतिपूर्ण, नकलमुक्त और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और शिक्षा विभाग ने महीनों पहले से तैयारियां शुरू कर दी थीं।

परीक्षार्थी बोले- पेपर आसान रहा

मंगलवार को हुए 12वीं अंग्रेजी के पर्चे के बाद सेंटर से निकलते हुए विद्यार्थियों ने

कहा कि पेपर ठीक और मिलाजुला रहा है। जलज शर्मा ने बताया कि आज का एग्जाम बहुत अच्छा रहा। उन्नति ने बताया कि एग्जाम जैसा सोचा था वैसा ही आया। वंश ठाकुर ने बताया कि पेपर आसान था। जैसा सोचा वैसा ही आया था।

3856 परीक्षा केंद्र, हर जिले में सख्त निगरानी

बोर्ड परीक्षाओं के लिए पूरे प्रदेश में 3856 परीक्षा केंद्र बनाए हैं। भोपाल की बात करें तो यहां 10वीं के 30 हजार 746 और 12वीं के 26 हजार 627 छात्र परीक्षा दे रहे हैं।।इन छात्रों के लिए भोपाल में कुल 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। हर जिले में चार-चार फ्लाइंग स्क्वॉड गठित किए हैं। इनमें से दो स्क्वॉड विकासखंड स्तर पर और दो जिला स्तर पर काम करेंगे। हर स्क्वॉड में तीन सदस्य होंगे और तीनों पुलिस या प्रशासनिक स्तर के अधिकारी होंगे, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई हो सके।

संवेदनशील केंद्रों पर 'तीसरी आंख' का पहरा

नकल और अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए इस बार तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रशासन ने संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की पहचान कर वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। इन केंद्रों पर होने वाली गतिविधियों पर भोपाल स्थित बोर्ड कार्यालय से सीधी निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा, थानों से प्रश्न-पत्र निकालने के दौरान भी वीडियोग्राफी अनिवार्य की गई है और सुरक्षा गार्ड्स की तैनाती की गई है। इसका मकसद है कि परीक्षा प्रक्रिया की हर कड़ी पारदर्शी और सुरक्षित बनी रहे।

स्कूलों को सख्त निर्देश... एक भी छात्र न छूटे

माध्यमिक शिक्षा मंडल की तरफ से स्कूलों को कहा है कि नोटिस बोर्ड, मॉर्निंग असेंबली और अभिभावक व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए यह सूचना तुरंत साझा करें। शिक्षकों को व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि कोई भी छात्र पुरानी तारीखों के भरोसे परीक्षा से वंचित न रह जाए।

चयनित केंद्रों पर भोपाल से सीधी मॉनिटरिंग

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा प्रदेश के हर जिले में पांच-पांच परीक्षा केंद्रों को विशेष मॉनिटरिंग के लिए चुना है। इन केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी सीधे भोपाल स्थित बोर्ड कार्यालय से की जाएगी। इसके अलावा, औचक निरीक्षण के लिए उड़नदस्ते भी लगातार सक्रिय रहेंगे, जिनमें शिक्षा विभाग के साथ प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे।

बीजेपी की जिला कार्यकारिणी घोषित होते ही होल्ड

विवादित नेताओं को पदाधिकारी बनाने पर अंदरूनी विवाद, सोशल मीडिया से लिस्ट हटाई

भोपाल ● संवाददाता

एक साल पहले रविन्द्र यती भोपाल में भाजपा के शहर अध्यक्ष नियुक्त किए गए थे। एक साल बीतने के बाद उन्होंने मंगलवार को जिला कार्यकारिणी घोषित की। लेकिन, जैसे ही टीम घोषित हुई, उसके बाद नेताओं ने पार्टी में अंदरूनी तौर पर विरोध और नाराजगी जाहिर करनी शुरू कर दी। विरोध के बाद भोपाल की शहर कार्यकारिणी होल्ड कर दी गई।

बीजेपी की ये कार्यकारिणी हुई होल्ड

ये बनाए गए थे उपाध्यक्ष : राजकुमार विश्वकर्मा, अश्विनी राय, राकेश कुकरेजा, अशोक वाणी, राजू अनेजा, भाषित दीक्षित, विभा गरुण, शिखा मोनू गोहल,

ये बने महामंत्री : मनोज राठौर, योगेश परमार, सचिन दास बब्बा

मंत्री : अमन यादव, योगेश वासवानी, सुनील यादव, सुषमा बावीसा, लक्ष्मी ठाकुर, पार्थ पाटीदार, प्रतीक्षा ब्रह्मभट्ट

कोषाध्यक्ष : राघवेन्द्र द्विवेदी

सह कोषाध्यक्ष : संतोष जाट

कार्यालय मंत्री : योगेन्द्र मुखरैया

सह कार्यालय मंत्री : अमित कुमार

सिंह, सुमित पांडे

आईटी प्रभारी : विश्वविजय सिंह

आईटी सह प्रभारी : रवि यादव, शरद पंडित, शेखर श्रीवास्तव

सोशल मीडिया प्रभारी : जगदीश विश्वकर्मा

सोशल मीडिया सह प्रभारी : हेतराम, चंद्रभान यादव, आरती बोराना

कार्यालय प्रभारी : शैलेन्द्र निगम

मन की बात प्रभारी : सुनील निगम, सह प्रभारी: चंद्रशेखर तिवारी(राधे महाराज), राजेश खटीक, अनुपम जैन

बीजेपी ऑफिस में तोड़फोड़ करने वाले को महामंत्री बनाया

बीजेपी की जिला कार्यकारिणी में सचिन दास बब्बा को जिला महामंत्री बनाया गया था। लिस्ट जारी होने के बाद संगठन में भोपाल के कई नेताओं ने इस बात की शिकायत की कि सचिन दास प्रदेश कार्यालय में तोड़फोड़ में शामिल थे। 2013 में उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी सुरेन्द्र नाथ सिंह के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ा था।

पार्षदों का क्लब बनी जिला कार्यकारिणी

बीजेपी की जिला कार्यकारिणी में पांच पार्षद पदाधिकारी बनाए गए थे। इनमें वार्ड 70 के पार्षद अशोक वाणी, वार्ड 32 के पार्षद प्रतिनिधि राजू अनेजा, वार्ड 45 के पार्षद प्रतिनिधि मोनू गोहल, वार्ड 50 की पार्षद सुषमा बावीसा और वार्ड 13 के पार्षद मनोज राठौर जिला पदाधिकारी बनाए गए हैं।

जिला और प्रदेश अध्यक्ष ने पोस्ट डिलीट की

भोपाल की जिला कार्यकारिणी घोषित होने की लिस्ट बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, भोपाल के शहर अध्यक्ष रविन्द्र यती और बीजेपी मध्य प्रदेश के ऑफिशियल पेज पर पोस्ट की गई लेकिन, कुछ ही समय बाद सबने पोस्ट डिलीट कर दी।

महाशिवरात्रि तक के लिए होल्ड हुई है लिस्ट

जिला कार्यकारिणी होल्ड होने को लेकर भोपाल के शहर अध्यक्ष रविन्द्र यती ने भास्कर से कहा- अभी महाशिवरात्रि तक के लिए लिस्ट होल्ड की गई है।

भोपाल में बाथरूम में मिला MBBS छात्रा का शव

पास ही पड़ी थी एसिड बॉटल, गांधी मेडिकल कॉलेज में 4 महीने पहले एडमिशन लिया था

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल में एमबीबीएस छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। गांधी मेडिकल कॉलेज की छात्रा रोशनी का शव बाथरूम में पड़ा था। पास ही एसिड की बोतल भी मिली है। रोशनी ने पिछले साल ही अक्टूबर में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर में एडमिशन लिया था।

जानकारी के मुताबिक, रोशनी डे-स्कॉलर थी और कोहेफिजा थाना क्षेत्र में प्राइवेट हॉस्टल में रह रही थी। जब वह सुबह कॉलेज के लिए अपने कमरे से बाहर नहीं निकली, तो साथ पढ़ने वाले स्टूडेंट्स उसे बुलाने के लिए पहुंचे।

छात्राओं के मुताबिक, रोशनी को कई बार आवाज दी। उसे फोन कॉल किया, लेकिन रोशनी ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद पीजी के गार्ड को सूचना दी। गार्ड पहुंचा तो पहले कमरे और फिर बाथरूम का दरवाजा तोड़ा गया, जहां रोशनी पड़ी मिली। स्टूडेंट्स ने बताया कि रोशनी के पास एक खाली एसिड की बोतल भी पड़ी हुई थी। फौरन कॉलेज प्रबंधन को सूचना दी गई। रोशनी को सुबह करीब 8:30 बजे हमीदिया अस्पताल के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग ले जाया गया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर्स ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

आलीराजपुर की थी, पिछले हफ्ते ही भोपाल लौटी थी

रोशनी आलीराजपुर की रहने वाली थी। साथी छात्रों ने बताया कि वह पिछले हफ्ते ही घर से लौटकर भोपाल आई थी। वह पढ़ाई को लेकर गंभीर और शांत स्वभाव की थी।

डीन ने कहा- पढ़ाई को लेकर टेंशन में थी रोशनी

गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन कविता एन. सिंह ने बताया कि रोशनी के मोबाइल में परिजन को भेजे गए मैसेज से पता चला है कि वह पढ़ाई को लेकर तनाव में थी। मेहनत करने के बावजूद ठीक से समझ नहीं पा रही थी।

भोपाल में नया अजूबा...हाईटेंशन पोल के नीचे निकली सड़क

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल में 90 डिग्री एंगल वाले ऐशबाग ब्रिज और ठिगने मेट्रो स्टेशन के बाद एक और नया अजूबा सामने आया है। राजधानी के करोंद इलाके में हाईटेंशन लाइन के टावर (पोल) के नीचे से सड़क निकाल दी गई, जो किसी 'एफिल टॉवर' सड़क की तरह है। मामला सामने आने के बाद अब यह पोल सुर्खियां बंटोर रहा है।

करोंद की विनायक कॉलोनी में कई साल से हाईटेंशन का पोल एफिल टॉवर जैसा खड़ा है, लेकिन आश्चर्य की बात ये है कि इसके नीचे से ही सड़क भी निकाल दी गई। लोग पैदल चलने के साथ अपनी कार और मोटरसाइकिलों से आना-जाना भी करते हैं। ऐसे में हाईटेंशन लाइन के चपेट में आने का डर बना रहता है।

कई साल से खड़ा

करोंद के महेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि यह पोल उन्हीं के वार्ड में हैं, जिसे वे कई साल से देखते आ रहे हैं। पहले आसपास रहवासी इलाका नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे आबादी बसने लगी। वर्तमान में अच्छी आबादी यहां रहती हैं। इस तरह खतरा बढ़ गया है।

बारिश में करंट फैलने का डर

रहवासियों ने बताया कि टावर के नीचे से बड़ी गाड़ियां नहीं निकल पाती। दूसरी ओर, बारिश के दिनों में करंट फैलने का डर रहता है। भोपाल राजधानी है, सरकार को हाईटेंशन लाइन और टावर को लेकर ध्यान देना चाहिए। दोनों को ही शिफ्ट किया जाना चाहिए।

बिजली कंपनी हटाने के प्रयास में जुटी

दूसरी ओर, बिजली कंपनी भी इस टावर को अन्य जगह शिफ्ट करने में लगी है। कई बार इस पर चर्चा हो चुकी है, लेकिन ये टावर और हाईटेंशन लाइन नहीं हट पाई। सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद यह टावर फिर से सुर्खियों में आ गया है।

भोपाल में किन्नरों का हंगामा, बोले-धर्म परिवर्तन करा रहे : विहिप-बजरंग दल ने जांच की मांग की, सुरैया ने कहा-ये सिर्फ गद्दी की लड़ाई

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल के कलेक्टोरेट परिसर में मंगलवार को किन्नरों ने हंगामा कर दिया। उनका कहना था कि सुरैया गुरु उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराना चाह रही है। इस मामले में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने जांच की मांग की है। पदाधिकारी भी किन्नरों के साथ कलेक्टोरेट पहुंचे थे। इधर, सुरैया गुरु ने कहा कि यह सिर्फ गद्दी और इलाके की लड़ाई है। धर्म परिवर्तन की बात गलत है।

कलेक्टर के नाम सौंपे गए आवेदन में किन्नरों ने आरोप लगाया कि भोपाल में सुरैया हाजी वर्षों से अपने हिंदू किन्नर शिष्यों को जोर जबरदस्ती इस्लाम ग्रहण करवा रही है। वह इन्हें मारना-पीटना, धमकाना, गोमांस खाने और फर्जी आधार कार्ड बनवाकर गलत काम करने पर मजबूर करती है। इन्होंने पूरे देश में 'किन्नर जिहाद' चला रखा है। भोपाल के हिंदू किन्नरों को जान माल का खतरा है।

इन्हें लगातार धमकी दी जा रही। साथ ही ये डरे-सहमे किन्नर कहीं भी बधाइयां लेने नहीं जा पा रहे हैं। मंगलवारा में निवासरत अन्य हिंदू किन्नर समुदाय विगत कुछ समय से अत्यंत भय, असुरक्षा एवं मानसिक दबाव में जीवन-यापन करने को विवश है। हिंदू किन्नर समाज के कुछ सदस्यों की शिकायत सामने आई है कि मंगलवारा क्षेत्र में निवासरत जिहादी किन्नर समूह अन्य किन्नरों पर दबाव, धमकी एवं भय का वातावरण बना रहे हैं।

ये आरोप लगाए

- कुछ किन्नरों पर जबरन दबाव बनाकर धार्मिक आस्था परिवर्तन के लिए प्रेरित और मजबूर किया जा रहा है।
- विरोध करने पर मारपीट, धमकी एवं मानसिक उत्पीड़न की शिकायतें की जाती हैं।
- भय के कारण किन्नर समुदाय के लोग अपने पारंपरिक आजीविका के साधनों (बधाई/कार्य) से वंचित हो रहे हैं।
- समुदाय के सदस्यों को झूठे प्रकरणों में फंसाने एवं दस्तावेजों के दुरुपयोग की आशंका।
- शिकायत उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं प्रतिनिधियों को भी जान-माल की धमकियां मिलने की बात सामने आना।

यह मांग की

- शिकायतों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।
- किन्नर समुदाय की सुरक्षा के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस को निर्देश दें।
- दोषी पाए जाने वाले जिहादी किन्नर/समूहों के विरुद्ध कानून अनुसार कठोर कार्रवाई हो।
- किन्नर समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।
- भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित किया जाए। ताकि, किन्नर समुदाय सम्मानपूर्वक एवं सुरक्षित जीवन व्यतीत कर सके।
- किन्नर गुरु सुरैया ने आरोपों को गलत बताया है।
- किन्नर गुरु सुरैया ने आरोपों को गलत बताया है।

सुरैया गुरु ने भी मीडिया से बात की

इस मामले में सुरैया गुरु ने भी मंगलवार को मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि सभी आरोप झूठे हैं। किन्नर की कोई जाति नहीं है। यह गद्दी और इलाके की लड़ाई है। मेरी गद्दी छिनना चाहते हैं। कोई धर्म परिवर्तन नहीं कराया जा रहा है।

304.44 करोड़ रुपए के कारम डैम घोटाले की रिपोर्ट पेश, पांच इंजीनियरों का काम गैर जिम्मेदाराना

भोपाल ● संवाददाता

कारम डैम घोटाले के लिए पांच इंजीनियर जिम्मेदार पाए गए हैं, जबकि तीन इंजीनियरों को साक्ष्यों के अभाव में आरोपों से मुक्त किया गया है। जल संसाधन विभाग के सचिव जॉन किंग्सली एआर की 350 पेज की जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। 304.44 करोड़ की लागत वाले कारम डैम घोटाले की साढ़े तीन साल तक चली जांच के बाद पेश की गई रिपोर्ट में जिन पांच इंजीनियरों को डैम फूटने के लिए जिम्मेदार पाया गया है, उनके विरुद्ध जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता द्वारा 17 फरवरी को सुनवाई की जाएगी। इस डैम को बनाने की जिम्मेदारी एएनएस कंसट्रक्शन नई दिल्ली को सौंपी गई थी।

जल संसाधन विभाग के सचिव जॉन किंग्सली एआर की रिपोर्ट में कहा है कि विभागीय जांच के अंतर्गत उपलब्ध साक्ष्यों, साक्षियों के बयान, आरोपियों द्वारा पेश बचाव के दस्तावेज और अन्य तथ्यों के परीक्षण के बाद यह बात सामने आई है कि प्रभारी मुख्य अभियंता नर्मदा ताप्ती कछार सीएस घटोले, पी जोशी तत्कालीन अधीक्षण यंत्री जल संसाधन मंडल धार, बीएल निनामा तत्कालीन कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग एक धार, विकार अहमद सिद्दीकी तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन

उपसंभाग धामनोद और विजय कुमार जत्थाप तत्कालीन उपयंत्री जल संसाधन उपसंभाग धामनोद पर कारम डैम फूटने को लेकर लगाए गए आरोप प्रमाणित पाए गए हैं।

इसके अलावा राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव तत्कालीन उपयंत्री जल संसाधन उपसंभाग धामनोद को विभागीय जांच से मुक्त किया गया है। साथ ही अशोक कुमार राम तत्कालीन उपयंत्री जल संसाधन उपसंभाग धामनोद और आरोप साबित नहीं हो पाए वहीं दशवंता सिसोदिया तत्कालीन उपयंत्री जल संसाधन उपसंभाग धामनोद पर भी आरोप प्रमाणित नहीं पाए गए। इसलिए तीन इंजीनियरों को जांच से मुक्त किया गया है।

जांच अधिकारी ने यह भी टिप्पणी की जांच अधिकारी जॉन किंग्सली एआर ने कहा है कि विभागीय जांच के दौरान कुछ आरोपी इंजीनियरों ने रिपोर्ट दी कि बांध पूरी तरह सुरक्षित था। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा बांध में कट लगाने का निर्णय लिया गया, अगर ऐसा नहीं किया जाता तो बांध भी सुरक्षित रहता। इस कार्य से शासन को कोई वित्तीय हानि नहीं हुई है। जांच अधिकारी ने इसके आधार पर शासन को हुई वित्तीय हानि का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट में कहा है कि कलेक्टर धार के 3 फरवरी 2026 के पत्र के अनुसार कारम डैम दुर्घटना में किसानों और प्रभावित व्यक्तियों को हुए नुकसान के बाद कुल 14 लाख 70 हजार 398 रुपए का भुगतान सरकार को करना पड़ा है। इसमें से 1 लाख 94 हजार 419 रुपए खेती की जमीन पर मिट्टी के जमाव के कारण देने पड़े हैं तो 9 लाख 90 हजार 679 रुपए फसल क्षति के रूप में भुगतान करना पड़ा है। इसके अलावा ईंट भट्टों को हुए नुकसान पर 2 लाख 30 हजार और मकानों को हुए नुकसान पर 1 लाख 15 हजार 300 रुपए का भुगतान किया गया है। इससे साफ है कि शासन को वित्तीय हानि उठानी पड़ी है।

संपादकीय

अमेरिका की 74 फ़ीसद आबादी पर रोज़ी-रोटी का संकट

पूंजीवादी देश अमेरिका जो दुनिया के देशों को समृद्धि और लोकतंत्र का पाठ पढ़ाता है वह अपने ही नागरिकों को दो टाइम का भोजन नहीं दे पा रहा है। अमेरिका का मध्यम वर्ग गरीब हो रहा है। सारी दुनिया में अमेरिका की जो तस्वीर दिखाई जाती है, ठीक उसके विपरीत हालिया सर्वे मे एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने अमेरिका की कलई खोल कर रख दी है। आमतौर पर चमकदार इमारतों, शेयर बाज़ार और वैश्विक ताक़त की आड़ में अमेरिका अपनी वास्तविकता को छिपा देता है। सर्वे के अनुसार अमेरिका की करीब 74 प्रतिशत आबादी रोज़ी-रोटी के गंभीर संकट से जूझ रही है। यह संकट केवल गरीबों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मिडिल क्लास और युवा वर्ग पर इसकी सबसे बड़ी मार पड़ी है। अमेरिका में हालात ये हैं, लोग बिजली, गैस, पानी जैसी बुनियादी जरूरत के मासिक बिल तक अदा नहीं कर पा रहे हैं। किराना, किराया और स्वास्थ्य खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सर्वे के अनुसार 10 में से 9 अमेरिकी मानते हैं, पूरा अमेरिका "कॉस्ट ऑफ लिविंग क्राइसिस" में फंस गया है। सर्वे में 10 में से 8 लोगों ने माना है, पिछले एक साल में महंगाई तेजी के साथ बढ़ी है। जिसके कारण उनका नियमित जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। पिछले 1 साल में जिस तरह से सरकार की नीतियां हैं, उसने आम आदमी का जीवन दूभर कर दिया है। सबसे चिंताजनक स्थिति अमेरिका मे युवाओं की है। महंगाई और बेरोजगारी के चलते युवा वर्ग में गुस्सा, असंतोष और निराशा तेजी से बढ़ती जा रही है। अमेरिका का मध्यम वर्ग टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती थी उसका उपयोग छुट्टियों, मनोरंजन या ख़रीदारी के लिए करता था। अब टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती है, उसका उपयोग पेट भरने और कर्ज चुकाने के लिए करना पड़ रहा है। सर्वे के अनुसार 73 प्रतिशत लोगों ने माना है, टैक्स रिफंड अब जीवन यापन के लिए ज़्यादा ज़रूरी हो गया है। 60 प्रतिशत लोगों ने रिफंड जल्दी देने की बात कही है। टैक्स रिफंड में देरी होने से खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है। जेन-जी के लिए यह संकट और भी गहरा है। करीब 74 प्रतिशत युवा रिफंड नहीं मिलने पर आपात ज़रूरतें भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अमेरिका के इस आर्थिक दबाव का सीधा असर सभी वर्गों पर देखने को मिल रहा है। अमेरिका से आंतरिक पलायन शुरू हो गया है। लोग एक शहर से दूसरे शहर, एक राज्य से दूसरे राज्य यहां तक कि यूरोपीय देशों में भाग रहे हैं। जहां वह वर्षों से रह रहे थे, वहां अब उनका गुज़ारा संभव नहीं हो पा रहा। सर्वे बताता है कि जेन-जी के लगभग 50 प्रतिशत युवा तथा कुल आबादी के 38 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक आर्थिक कारणों से ठिकाना बदल चुके हैं। यह पलायन की स्थिति उन्हें जड़ों से काटने की प्रक्रिया मानी जा रही है। विडंबना यह है, जिन राज्यों को "अफोर्डेबल अमेरिका" कहा जाता है, उनमे मिसिसिपी, अलबामा और ओक्लाहोमा के 60 प्रतिशत लोग मानते हैं। वह किसी तरह से अपना खर्च चला पा रहे हैं। अमेरिका के सबसे सस्ते राज्यों की बड़ी आबादी आर्थिक संकट से जूझ रही है। यह स्थिति इस बात का सूचक है कि अमेरिका गहरे आर्थिक संकट में फंस गया है। पिछले एक साल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जिस तरह के निर्णय लिए जा रहे हैं, उसके बाद अमेरिका में बदहाली बढ़ती जा रही है। इसका असर सामाजिक स्तर पर बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। युवाओं को अपना भविष्य अंधकार में दिख रहा है। इससे उनमें गुस्सा, नशा और सामाजिक तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका में युवाओं की बहुत बड़ी संख्या अब अपराध की ओर भी जाती हुई दिख रही है। यह वही अमेरिका है, जहां सड़कों पर समृद्धि दिखती है। पूंजीवादियों के ऐशो आराम और अय्याशी को देखकर लगता है, अमेरिका बहुत धनवान है। अमेरिका में रहने वाले लोग बहुत प्रसन्न हैं, लेकिन अमेरिका की स्थिति ठीक इसके विपरीत है। नागरिकों के मन में असुरक्षा और भय पनप रहा है। अमेरिका एक ऐसे मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है, जहां उसकी चमकदार छवि और ज़मीनी हकीकत के बीच की खाई गहरी होती जा रही है। अमेरिका में 74 प्रतिशत आबादी के सामने रोज़ी-रोटी का संकट होना अमेरिका के लिए गंभीर चेतावनी है। अमेरिका खुद को दुनिया का नेतृत्वकर्ता मानता है, लेकिन अमेरिका लगातार कर्ज के संकट में फंसता चला जा रहा है। सारी दुनिया में दादागिरी करने के चक्कर में लगातार अपने ही बनाए गए मकड जाल में फंसता जा रहा है। जिसके कारण अब अमेरिका को हर तरफ से चुनौती मिल रही है। यह अमेरिका के उस आर्थिक मॉडल की कहानी है। जो अपने फायदे के लिए किसी भी स्तर तक जाकर अपनी दादागिरी कायम रखना चाहता है। लेकिन अब यही दादागिरी अमेरिका के अस्तित्व के लिए संकट बन गया है।

केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस, लैब असिस्टेंट से जेनेटिक साइंटिस्ट तक का सफर

लेखक - संजय गोस्वामी

ऐसी गलतियों को नॉनडिसजंक्शन कहा जाता है क्योंकि क्रोमोसोम ठीक से जुड़े नहीं होते हैं, जिससे गैमीट में सेक्स क्रोमोसोम की एक एक्स्ट्रा कॉपी होती है या बिल्कुल नहीं होती| उन्होंने मक्खी म्यूटेंट के नाम रखने के लिए एक नोमेनक्लेचर सिस्टम बनाया| उन्होंने ड्रोसोफिला जीन को लार के क्रोमोसोम में बैंडिंग पैटर्न से जोड़ा| "कोलंबिया यूनिवर्सिटी (1909) में एडमिशन लेने के एक साल बाद

केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस एक अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जिन्होंने हेरेडिटी और सेक्स क्रोमोसोम की नींव रखने में मदद की। केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस एक जाने-माने अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जो कोलंबिया यूनिवर्सिटी में थॉमस हंट मॉर्गन के फ्लाई रूम पर अपने काम के लिए जाने जाते थे। उनका जन्म 11 जनवरी, 1889 को शूयलर फॉल्स, न्यूयॉर्क में हुआ था। वे हेरेडिटी की क्रोमोसोम थ्योरी को डेवलप करने में एक अहम व्यक्ति थे। वे एक अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जिन्होंने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके हेरेडिटी में क्रोमोसोम की भूमिका तय की। उन्होंने 1910 में थॉमस हंट मॉर्गन के लैब असिस्टेंट के तौर पर यह ट्रैक करना शुरू किया कि इसके क्रोमोसोम में म्यूटेशन ने हेरेडिटी को कैसे बदला। ब्रिजेस ने सेक्स क्रोमोसोम को अलग करने में होने वाली नैचुरल गलतियों का इस्तेमाल करके यह दिखाया कि क्रोमोसोम की गलत संख्या से अजीब फ्रूट फ्लाई पैदा होती हैं। ऐसी गलतियों को नॉनडिसजंक्शन कहा जाता है क्योंकि क्रोमोसोम ठीक से जुड़े नहीं होते हैं, जिससे गैमीट में सेक्स क्रोमोसोम की एक एक्स्ट्रा कॉपी होती है या बिल्कुल नहीं होती। उन्होंने मक्खी म्यूटेंट के नाम रखने के लिए एक नोमेनक्लेचर सिस्टम बनाया। उन्होंने ड्रोसोफिला जीन को लार के क्रोमोसोम में बैंडिंग पैटर्न से जोड़ा। "कोलंबिया यूनिवर्सिटी (1909) में एडमिशन लेने के एक साल बाद, ब्रिजेस ने वहां जेनेटिसिस्ट थॉमस हंट मॉर्गन के लिए लैब असिस्टेंट की नौकरी कर ली। उन्होंने और मॉर्गन ने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके एक एक्सपेरिमेंटल डिज़ाइन बनाया, जिससे पता चला कि कीड़े में जेनेटिक बदलाव उसके क्रोमोसोम में बदलाव में दिख सकते हैं। इन एक्सपेरिमेंट से "जेनेटिक मैप" बने और क्रोमोसोम इनहेरिटेंस की थ्योरी पक्की हुई। ब्रिजेस ने मॉर्गन और अल्फ्रेड हेनरी स्टर्टवेंट के साथ मिलकर 1925 में ये नतीजे पब्लिश किए। उसी साल, उन्होंने सेक्स इन रिलेशन टू क्रोमोसोम्स एंड जीन्स पब्लिश किया, जिससे पता चला कि ड्रोसोफिला में सेक्स न सिर्फ सेक्स क्रोमोसोम्स (एक्स और वाय) से तय होता है, बल्कि यह क्रोमोसोम बैलेंस का नतीजा है—जो फीमेल सेक्स नंबर क्रोमोसोम्स (एक्स) और नॉन सेक्स क्रोमोसोम्स (ऑटोसोम्स) की संख्या के बीच का मैथमेटिकल रेश्यो है। मॉर्गन ने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके एक्सपेरिमेंट किए, जिससे पता चला कि कीड़े में जेनेटिक बदलाव दिख सकते हैं। इसके क्रोमोसोम में बदलाव। इन एक्सपेरिमेंट से जेनेटिक मैप और जेनेटिकली प्रूवन क्रोमोसोम थ्योरी बनी। ब्रिजेस ने मॉर्गन और अल्फ्रेड हेनरी स्टर्टवेंट के साथ मिलकर 1925 में ये नतीजे पब्लिश किए। उसी साल, उन्होंने सेक्स इन रिलेशन टू क्रोमोसोम्स एंड जीन्स पब्लिश किया, जिससे पता चला कि ड्रोसोफिला में सेक्स न सिर्फ सेक्स क्रोमोसोम्स (एक्स और वाय) से तय होता है, बल्कि यह क्रोमोसोम बैलेंस का नतीजा है—जो फीमेल सेक्स नंबर क्रोमोसोम्स (एक्स) और नॉन सेक्स क्रोमोसोम्स (ऑटोसोम्स) की संख्या के बीच का बैलेंस है। 1928 में ब्रिजेज, मॉर्गन के साथ कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पासाडेना चले गए, जहां उन्होंने फल मक्खी के लार्वा की लार ग्रंथि कोशिकाओं में पाए जाने वाले विशाल गुणसूत्रों के विस्तृत जीन मानचित्र बनाए। बाद में उन्होंने जीन दोहराव के कारण ड्रोसोफिला म्यूटेंट के एक महत्वपूर्ण वर्ग की खोज की। उन्होंने यह भी स्थापित किया कि वाई गुणसूत्र ड्रोसोफिला में लिंग का निर्धारण नहीं करता है। ड्रोसोफिला शोधकर्ताओं के बीच ब्रिजेस का सबसे प्रसिद्ध योगदान लार्वा लार ग्रंथि कोशिकाओं में पाए जाने वाले पॉलीटीन गुणसूत्रों का अवलोकन और दस्तावेज़ीकरण है। इन गुणसूत्रों के बैंडिंग पैटर्न को आज भी समकालीन शोधकर्ताओं द्वारा आनुवंशिक स्थलों के रूप में उपयोग किया जाता है।[उद्धरण आवश्यक] ब्रिजेस को ड्रोसोफिला के साथ उनके काम के लिए 1936 में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के लिए चुना गया था,गुणसूत्र विकार, शरीर की

किसी भी प्रणाली में विकृतियों या खराबी की विशेषता वाला कोई भी सिंड्रोम, और असामान्य गुणसूत्र संख्या के कारण होता है।आम तौर पर, मनुष्यों में 46 गुणसूत्र होते हैं जो 23 जोड़े में व्यवस्थित होते हैं; जोड़े आकार और आकृति में भिन्न होते हैं और सम्मेलन द्वारा क्रमांकित होते हैं। बाईस जोड़े ऑटोसोम हैं, और एक जोड़ा, संख्या 23, सेक्स क्रोमोसोम है। इस पैटर्न से कोई भी भिन्नता असामान्यताओं का कारण बनती है या एक क्रोमोसोम का एक हाथ या एक हाथ का हिस्सा गायब (डिलीशन) हो सकता है। एक क्रोमोसोम का हिस्सा दूसरे में ट्रांसफर (ट्रांसलोकेशन) हो सकता है, जिसका उस व्यक्ति पर कोई असर नहीं होता जिसमें यह होता है, लेकिन आम तौर पर उसके बच्चों में डिलीशन या डुप्लीकेशन सिंड्रोम होता है। क्रोमोसोम नंबर में बदलाव स्पर्म या अंडे बनने के दौरान या एम्ब्रियो के शुरुआती डेवलपमेंट के दौरान होते हैं। बाद वाले मामले में, सेल्स का मिक्सचर हो सकता है, कुछ नॉर्मल (यूप्लोइड) और कुछ में एबनॉर्मल क्रोमोसोम कॉम्प्लिमेंट्स होते हैं, इस कंडीशन को मोज़ेकिज़्म कहते हैं। दोनों ही मामलों में, क्रोमोसोम से भेजे गए असामान्य जेनेटिक सिग्नल की वजह से डेवलपमेंटल एबनॉर्मलिटीज़ होती हैं। डाउन सिंड्रोम समेत कई क्रोमोसोमल असामान्यताओं को दिल की बीमारी या खराब बनावट से भी जोड़ा गया है। क्रोमोसोमल असामान्यताओं के दूसरे सबूतों में असामान्य सेक्सुअल विकास, व्यवहार में गड़बड़ी, मैलिग्नेंसी (जैसे, क्रोनिक मायलोसाइटिक ल्यूकेमिया में फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम), और अपने आप गर्भपात शामिल हैं।सेक्स क्रोमोसोम असामान्यताएं ज़्यादा आम हैं और ऑटोसोमल असामान्यताओं की तुलना में इनके असर कम गंभीर होते हैं। नॉर्मल महिलाओं में दो एक्स क्रोमोसोम होते हैं, और पुरुषों में एक एक्स और एक वाय होता है; सेक्स क्रोमोसोम डिस्ट्रीब्यूशन में असामान्यताओं से टर्नर सिंड्रोम (एक्सO), क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम (एक्सएक्सवाय), और तथाकथित "सुपरमेल" (एक्सवायवाय) होते हैं। टर्नर और क्लाइनफेल्टर जैसे लोगों में क्रमशः महिला और पुरुष जननांग होते हैं, जिनमें सेक्सुअल विशेषताओं का विकास धीमा होता है। सुपरमेल औसत से लंबे होते हैं और उनमें सीखने की अक्षमता होती है। हालांकि कुछ स्टडीज़ ने बताया है कि सुपरमेलनेस और क्रिमिनल बिहेवियर के बीच एक कनेक्शन है, लेकिन इस लिंक को काफी हद तक खारिज कर दिया गया है। असल में, कई एक्सवायवाय लोग सोशली अच्छी तरह से एडजस्टेड होते हैं। 1909 में कोलंबिया विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के एक साल बाद, ब्रिजेस को मॉर्गन के सहायक के रूप में नौकरी मिल गई। उन्होंने साथ मिलकर ऐसे प्रयोग किए जिनसे पता चला कि गुणसूत्रों में परिवर्तन के माध्यम से आनुवंशिक भिन्नताओं को देखा जा सकता है। इससे जीन मानचित्रों के निर्माण में योगदान मिला और वंशानुक्रम के गुणसूत्र सिद्धांत की पुष्टि हुई। 1925 में, ब्रिजेस, मॉर्गन और अल्फ्रेड हेनरी स्टर्टेवेंट ने अपने अभूतपूर्व शोध पत्र गुणसूत्रों और जीनों के संबंध में लिंग सहित कई महत्वपूर्ण खोजों को प्रकाशित किया। इस शोध से पता चला कि ड्रोसोफिला में लिंग निर्धारण केवल एक्स और वाय गुणसूत्रों द्वारा ही नहीं होता, बल्कि यह गुणसूत्र संतुलन—एक्स गुणसूत्रों और ऑटोसोम (गैर-लिंग गुणसूत्रों) की संख्या के अनुपात—का परिणाम होता है। 1910 में मॉर्गन के प्रयोगशाला सहायक के रूप में काम शुरू करते हुए, उन्होंने इस बात की जांच की कि दृश्यमान गुणसूत्रीय परिवर्तन आनुवंशिक लक्षणों को कैसे प्रभावित करते हैं। उन्होंने प्राकृतिक त्रुटियों की पहचान की, जैसे कि नॉनडिसजंक्शन—जहां गुणसूत्र ठीक से अलग नहीं हो पाते—जिससे अतिरिक्त या अनुपस्थित लिंग गुणसूत्रों वाली असामान्य फल मक्खियां उत्पन्न होती हैं। इन खोजों ने इस बात का पुख्ता प्रमाण दिया कि गुणसूत्र आनुवंशिक जानकारी वहन करते हैं। ब्रिज ने मक्खी के उत्परिवर्तियों को वर्गीकृत करने के लिए एक नामकरण प्रणाली भी तैयार की और विशिष्ट जीनों को लार ग्रंथि गुणसूत्रों में बैंडिंग पैटर्न से जोड़ा।1928 में, ब्रिजेस, मॉर्गन के साथ कैलिफ़ोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, पासाडेना गए, जहाँ उन्होंने फ्रूट फ़्लाई लार्वा की लार ग्रंथि की कोशिकाओं में पाए जाने वाले मुख्य क्रोमोसोम के डिटेल्ड जेनेटिक मैप बनाए। फिर जीन डुप्लीकेशन से बने ड्रोसोफ़िला म्यूटेंट के एक महत्वपूर्ण वर्ग की खोज की गई।क्रोमोसोमल डिसऑर्डर, कोई भी सिंड्रोम जो शरीर के किसी भी सिस्टम में खराबी या खराबी की पहचान करता है, और क्रोमोसोम की असामान्य संख्या या बनावट के कारण होता है।इंसानों में आम तौर पर 46 क्रोमोसोम होते हैं जो 23 जोड़ों में व्यवस्थित होते हैं; जोड़े आकार और बनावट में अलग-अलग होते हैं और रिश्ते के आधार पर गिने जाते हैं। बाईस जोड़े ऑटोसोम होते हैं, और एक जोड़ा, नंबर 23, सेक्स क्रोमोसोम होता है। इस पैटर्न में किसी भी बदलाव से असामान्यताएं होती हैं या क्रोमोसोम आर्म या आर्म के हिस्से की अनुपस्थिति (डिलीशन) हो सकती है। एक क्रोमोसोम का हिस्सा दूसरे क्रोमोसोम (ट्रांसलोकेशन) में ट्रांसफर हो सकता है, जिसका व्यक्ति पर कोई असर नहीं होता है, लेकिन अक्सर उनके बच्चों में डिलीशन या डुप्लीकेशन होता है। क्रोमोसोम संख्या में बदलाव स्पर्म या अंडे के बनने के दौरान या शुरुआती एम्ब्रियोनिक डेवलपमेंट के दौरान होता है। बाद वाले मामले में, सेल्स का मिक्सचर हो सकता है, कुछ नॉर्मल (यूप्लॉइड) और कुछ एबनॉर्मल क्रोमोसोम कॉम्प्लिमेंट्स के साथ, इस कंडीशन को मोज़ेकिज़्म कहते हैं। दोनों ही मामलों में, क्रोमोसोम से भेजे गए एबनॉर्मल जेनेटिक सिग्नल एबनॉर्मल डेवलपमेंट का कारण बनते हैं। इनमें से कोई न कोई क्रोमोसोमल इम्बैलेंस सभी जन्मों में से 0.5% में होता है।डाउन सिंड्रोम जिसे पहले मंगोलिज़्म के नाम से जाना जाता था, क्रोमोसोम 21 का एक ट्राइसोमी, पहला क्रोमोसोमल डिसऑर्डर था जिसकी पहचान 1959 में हुई यह सबसे आम ट्राइसोमी है और मेंटल रिटार्डेशन का सबसे आम कारण है। मेंटल इम्पेयरमेंट शायद क्रोमोसोमल एबनॉर्मेलिटीज़ का सबसे आम लक्षण है, जो कुछ हद तक सभी बड़ी ऑटोसोमल एबनॉर्मेलिटीज़ के साथ होता है। डाउन सिंड्रोम सहित कई क्रोमोसोमल एबनॉर्मेलिटीज़, दिल की बीमारी या मैलफॉर्मेशन के साथ भी रिपोर्ट की गई हैं। क्रोमोसोम एबनॉर्मेलिटीज़ के दूसरे लक्षणों में एबनॉर्मल सेक्सुअल डेवलपमेंट, बिहेवियरल डिस्टर्बेंस, मैलिग्नेंसीज़ (जैसे, क्रोनिक मायलोसाइटिक ल्यूकेमिया में फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम), और स्पॉन्टेनियस अबॉर्शन शामिल हैं। सेक्स क्रोमोसोम में गड़बड़ी ऑटोसोमल गड़बड़ी की तुलना में ज़्यादा आम और कम गंभीर होती है। नॉर्मल महिलाओं में दो एक्स क्रोमोसोम होते हैं, और पुरुषों में एक एक्स और एक वाय होता है; सेक्स क्रोमोसोम के बढ़ने में गड़बड़ी से टर्नर सिंड्रोम (एक्सO), क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम (एक्सएक्सवाय), और तथाकथित "सुपरमेल" (एक्सवायवाय) होते हैं। टर्नर और क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम वाले लोगों में महिला और पुरुष दोनों के जेनिटल होते हैं, और उनमें सेक्सुअल बिहेवियर का डेवलपमेंट धीरे होता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पं दीनदयाल उपाध्याय: राष्ट्र के कल्याण का समूचा दर्शन

लेखक - हेमेन्द्र क्षीरसागर

अपनी संस्कृति, संस्कारों, परंपराओं, जीवन मूल्यों के आधार पर देश निर्माण का विचार दिया| विश्व के विकास और कल्याण की सभी संभावनाएं उनके द्वारा दिए गए एकात्म मानव दर्शन में है|

भारत के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले पं दीनदयाल उपाध्याय, कुशल संगठक, बौद्धिक चिंतक और भारत निर्माण के स्वप्नदृष्टा के रूप में आज तलक कालजयी हैं। माता रामप्यारी और पिता भगवती प्रसाद उपाध्याय के घर 25 सितम्बर 1916 को मथुरा जिले के नगला चन्द्रभान ग्राम में जन्मे पं दीनदयाल उपाध्याय हम सबके प्रेरणास्त्रोत और मातृभूमि के सच्चे उपासक थे। उन्होंने व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास और कल्याण का समूचा दर्शन दिया। अपनी संस्कृति, संस्कारों, परंपराओं, जीवन मूल्यों के आधार पर देश निर्माण का विचार दिया। विश्व के विकास और कल्याण की सभी संभावनाएं उनके द्वारा दिए गए एकात्म मानव दर्शन में है। जिसकी प्रासंगिकता मानकर सारा विश्व इस मानवीय सिद्धांत पर शोध कर रहा है। ताकि एक मामूली से कद काठी के व्यक्ति ने इतना मार्मिक और सारगर्भित विमर्श समय रहते कैसा उद्वेलित कर दिया।

पं दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन भारतीय चिंतन की दो अवधारणा पर आधारित है। पहली वसुधैव कुटुंबकम् का सिद्धांत और दूसरी चार पुरुषार्थ। उन्होंने शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए उसके विकास के लिए चार पुरुषार्थ की अवधारणा को स्पष्ट किया। उनका मानना था कि व्यक्ति में प्रतिभा भी है और उसकी आवश्यकताएं भी है लेकिन उसका मन व्यापक होता है। वह भ्रमित हो सकता है। मनुष्य सकारात्मक दिशा में बड़े इसके लिए मन का संतुलन और अनुशासन जरूरी है। यह बुद्धि और विवेक से ही संभव है। इसके लिए चार पुरुषार्थ आवश्यक है इनमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का समावेश है। यदि चार पुरुषार्थ की मर्यादा में व्यक्ति को उसके विकास के सभी अवसर प्रदान किए जाए तो संसार इस श्रेष्ठ स्वरूप को प्राप्त कर सकता है इसकी कल्पना वेदों में है। यह पूर्ण यानी एकात्म मानव की कल्पना है जिसे पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानववाद दर्शन के रूप में दिया। जो सारे जगत में अलौकिक है।

पंडित जी के अनछूए जीवन प्रेरक प्रसंग प्रेरणापुंज हैं। सतुत्य, किशोरावस्था में एक बार सब्जी बाजार गए और सब्जी बेचने वाली वृद्धा को चवन्नी का भुगतान कर दिया। घर लौटते समय उन्होंने जेब टटोली, तो देखा कि वह वृद्धा को खूंटी चवन्नी दे आए हैं। उनका मन इतना दुखी और द्रवित हो गया कि वह दौड़ते हुए उस वृद्धा के पास गए और उसे क्षमा प्रार्थना के साथ खूंटी चवन्नी वापस लेकर खरी चवन्नी दे दी। क्रम में मध्यप्रदेश जाने के लिए पं दीनदयाल जी दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर खड़ी गाड़ी के थर्ड क्लास के डिब्बे में बैठ चुके थे। गाड़ी जाने में अभी आधा घंटा शेष था जिसके कारण डिब्बे में बहुत कम यात्री बैठे थे। इसी समय दो औरतें डिब्बे में आई और भीख मांगने लगी। पुलिस के एक सिपाही ने उन्हें देखा और उन्हें गाली देते हुए मारने लगा। पंडित जी कुछ समय तक इस दृश्य को देखते रहे लेकिन अचानक उठ कर उन्होंने पुलिस के सिपाही को पीटने से रोकने का प्रयत्न किया। पुलिस के सिपाही ने अभद्रता से कहा- यह औरतें चोर हैं और यह तुम्हें तुम्हें परेशानी में डाल सकती हैं। जाओ और अपनी सीट पर बैठो यह मेरा काम है और उसे करने में दखल मत दो। पंडित जी यह वाक्य सुनते ही क्रोधित हो उठे। शायद जीवन में पहली और अंतिम बार वे इस क्रोधावेश में दिखे थे। उन्होंने पुलिस के सिपाही का हाथ पकड़ते हुए कहा- मैं देखता हूं कि तुम उन्हें कैसे मारते हो। अदालत उन्हें उनके और सामाजिक कार्यों के लिए दंड दे सकती है लेकिन एक स्त्री के साथ अभद्र व्यवहार को देखना मेरे लिए असहनीय है। पुलिस के सिपाही ने अपनी ड्यूटी को माना और क्षमा की प्रार्थना की। ऐसे एक अबला की रक्षा करने वाले मानवस्पर्शी, संवेदनशील मानवधर्मी थे दीनबंधु दीनदयाल।

आज राष्ट्रवाद का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उसके नींव डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पंडित जी के साथ मिलकर दशकों पहले रखी थी। उन्होंने अपना जीवन देश को समर्पित कर दिया। कार्य कुशलता समर्पण को देखकर डॉक्टर मुखर्जी ने कहा था कि यदि मुझे दो दीनदयाल मिल जाते तो मैं पूरे हिंदुस्तान को बदल देता। वह अंतिम व्यक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का विकास चाहते थे। एक चौपाई बोलते थे परहिस सरिस धर्म नाहिं भाई... दूसरों की भलाई करने से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। पंडित जी ने कहा था हमें सबके लिए काम करना है। जो गरीब है, सबसे पीछे और सबसे नीचे है वह दरिद्र ही अपना भगवान है। उसकी सेवा ही भगवान की सेवा है। पंडित जी का इस भावना और विचार को क्रियान्वित करने आज मानव कल्याण की विविध योजनाएं चलाई जा रही है।

पंडित जी के बताए गए मार्ग पर चलकर हम एक शक्तिशाली, गौरवशाली, वैभवशाली और संपूर्ण भारत का निर्माण करेंगे। जनसंघ के अध्यक्ष, पथ प्रदर्शक, आदर्श नायक, राष्ट्र के महानिर्माता पं दीनदयाल उपाध्याय को एक बार पुनः नमन! वीभत्स, साल 1968 की 10 फरवरी को दीनदयाल लखनऊ से पटना जा रहे थे। इसके लिए वे सियालदाह एक्सप्रेस में बैठे लेकिन 11 फरवरी को अलग सुबह तकरीबन 2 बजे, जब ट्रेन मुगलसराय स्टेशन पर पहुंची, तो वह ट्रेन में नहीं थे। स्टेशन के नजदीक ही उनका पार्थिव देह था। व्यथा अंत्योदय और एकात्म मानववाद के प्रणेता पं दीनदयाल उपाध्याय का महाप्रयाण आज भी एक रहस्यमय है?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

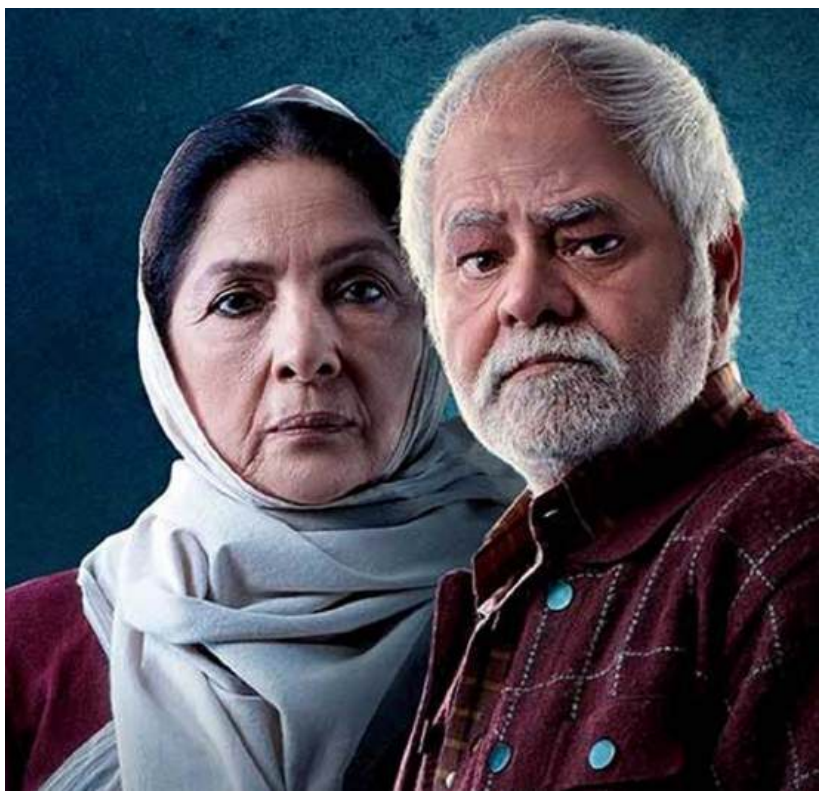

पहले दिन वध 2 ने किया 50 लाख रुपए का कलेक्शन

बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्म वध 2 ने पहले दिन शानदार ओपनिंग की, वहीं भाभीजी घर पर हैं पिछड़ गई। दोनों फिल्मों वध 2 और भाभीजी घर पर है! साथ में रीलिज हुई। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, वध 2 ने पहले दिन लगभग 50 लाख रुपए का कलेक्शन किया है, जबकि भाभीजी घर पर हैं केवल 25 लाख रुपए ही जुटा पाई। वध 2 फिल्म पिछले साल की हिट क्राइम-थ्रिलर वध का सीक्वल है। कहानी एक ऐसे पुलिस अधिकारी शंभू नाथ मिश्रा (संजय मिश्रा) और उनकी पत्नी मंजू (नीना गुप्ता) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो लंबे समय से जेल की सजा काट रहे हैं। शंभू नाथ अपने बेटे की पढ़ाई और कर्ज चुकाने के लिए जेल से सब्जियां चोरी कर बेचता है, जबकि मंजू का जीवन जेल में बीत रहा है। कहानी में जेल की नई परिस्थितियों, भ्रष्टाचार और जातिवाद की झलक भी है। फिल्म में जेल के बिगड़ैल कैदी केशव (अक्षय डोगरा) और महिला कैदी नैना (योगिता बिहानी) के बीच संबंध और घटनाओं की जटिलता कहानी को आगे बढ़ाती है। निर्देशक जसपाल सिंह संधू ने इसे बेहद संवेदनशील अंदाज में पेश किया है। कहानी ट्विस्ट और सस्पेंस के जरिए दर्शकों को बांधे रखती है। वहीं, भाभीजी घर पर हैं! की बात करें, तो यह टीवी के लंबे समय से पॉपुलर सिटकॉम पर आधारित है।

इसमें अंगूरी भाभी, विभूति मिश्रा, तिवारी और अनीता जैसे किरदार शामिल हैं। फिल्म की शुरुआत टीवी सीरियल के परिचित किरदारों से होती है। कहानी में दिखाया गया है कि विभूति मिश्रा (आसिफ शेख) अपनी पड़ोसी अंगूरी भाभी (शुभांगी अत्रे) को उत्तराखंड लेकर आता है। विभूति और तिवारी हमेशा एक-दूसरे की पत्नियों पर नजर रखते हैं, जैसे सीरियल में दिखाया गया है, लेकिन फिल्म में इसे बड़ा और ज्यादा ड्रामेटिक तरीके से पेश किया गया है। इसी बीच कहानी में कुछ नए किरदार जुड़ते हैं। शांति (रवि किशन) एक दबंग व्यक्ति है, जो अंगूरी भाभी पर दिल हार बैठता है।

महिला खुद तय करे रिश्ते की दिशा : शाल्मली खोलगडे

बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में बदलते दौर की मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने इम्प्रेशन में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। परेशान, बलम पिचकारी और लत लग गई जैसे यादगार गानों से पहचान बनाने वाली शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक इम्प्रेशन को लेकर कहा, मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं। यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है, जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है। म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं। शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, इम्प्रेशन मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा। पुराने समय के गीतों में महिलाओं के लिए भावनात्मक भूमिकाएं पहले से तय रही हैं, जहां इंतजार, तड़प और त्याग को ही प्रेम का पर्याय मान लिया गया था, लेकिन आज की सच्चाई इससे कहीं ज्यादा व्यापक है। शाल्मली ने कहा, अब महिलाएं सिर्फ हालात का इंतजार करने वाली नहीं हैं, बल्कि वे खुद फैसले लेती हैं, नजरों से बात करती हैं और यह तय करती हैं कि रिश्ते की भावनात्मक गति कैसी होगी। इम्प्रेशन इसी सोच को सामने लाता है। फिल्मों में पहले के गानों में महिलाओं को अक्सर इंतजार करती, त्याग करती और भावनाओं में डूबी हुई दिखाया जाता था, वहीं आज के कलाकार नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ सामने आ रहे हैं।

शादी तो मेरी हो चुकी है... मेरे काम से : हर्षवर्धन

बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे में अपने इंटेंस और रोमांटिक किरदारों के लिए जाने जाते हैं। पर्दे पर उनका किरदार भावुक और गहरा होता है। दर्शक हर्षवर्धन को प्यार में डूबे हुए, संजीदा और रोमांटिक हीरो के रूप में देखते हैं। चाहे वह सनम तेरी कसम में इंदर का किरदार हो या एक दीवाने की दीवानीयत में विक्रमादित्य का रोल वह दिल छू लेने वाली लव स्टोरी में शानदार एक्टिंग से छा जाते हैं। असल जिंदगी में हर्षवर्धन शादी को लेकर कितने गंभीर हैं, इसका जवाब उन्होंने मजेदार अंदाज में दिया। उन्होंने हंसते हुए कहा, शादी तो मेरी हो चुकी है... मेरे काम से! और मेरी दुल्हन हैं मेरी फिल्में। हर्षवर्धन ने आगे बताया कि उनका पूरा फोकस अभी करियर पर है। फिल्में उनके लिए सिर्फ काम नहीं, बल्कि जिंदगी का सबसे बड़ा प्यार हैं। उन्होंने कहा कि जब भी वह किसी किरदार में डूबते हैं, तो वही उनकी सबसे करीबी साथी बन जाती है। रोमांटिक किरदार निभाने के कारण लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि असल जिंदगी में उनकी लव लाइफ कैसी है या शादी कब कर रहे हैं, लेकिन हर्षवर्धन का जवाब हमेशा यही रहता है कि उनका दिल और दिमाग अभी पूरी तरह से सिनेमा के साथ बंधा हुआ है। बता दें, हर्षवर्धन राणे ने 16 साल की उम्र में एक्टिंग का सपना देखते हुए घर छोड़ दिया था। कोई बड़ा सपोर्ट या गॉडफादर नहीं था, वे पूरी तरह आउटसाइडर थे। शुरुआत में मुश्किलें बहुत आईं, लेकिन उनकी मजबूत इच्छाशक्ति और मेहनत कभी कम नहीं हुई। सपनों के पीछे भागते हुए उन्होंने कभी हार नहीं मानी। आज वह बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ इंडस्ट्री को भी कई हिट फिल्में दे चुके हैं। उनका मानना है कि सपनों या लक्ष्य के ऊपर चुनौतियों को हावी नहीं होने देना चाहिए।

हमेशा अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं : भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि सतीश पेडनेकर हमेशा ग्लैमर और ज़रूरत से ज़्यादा ड्रामा से दूर, अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं। भूमि पेडनेकर कभी भी तयशुदा फॉर्मूले पर चलने वाली कलाकार नहीं रही हैं। अपनी पहली फिल्म से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेटः एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, थैंक यू फॉर कमिंग, शुभ मंगल सावधान, बाला, भीड़, भक्षक, सांड की आंख जैसी फिल्मों के ज़रिए समाज से जुड़े मुद्दों पर बात करने की हिम्मत दिखाई है। अब उनकी ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ दलदल भी इसी कड़ी का हिस्सा है। भूमि की फिल्मों और शोज़ में दिखावा कम और कंटेंट ज़्यादा होता है। यही वजह है कि दर्शक उनकी कहानियों से जुड़ते हैं और बार-बार उन्हें देखना चाहते हैं। दलदल के ओटीटी हिट बनने के साथ भूमि ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए माध्यम नहीं, बल्कि कला और अभिनय सबसे ज़रूरी है। बड़े पर्दे पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद, भूमि ने अमेज़न प्राइम की टॉप-ट्रेंडिंग साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ साबित की है।

यह सीरीज़ अमेरिका, यूके, यूएई समेत कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर में सराही जा रही है। इसकी सफलता भूमि की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है और उन्हें भारत की सबसे भरोसेमंद और निडर अभिनेत्रियों में शामिल करती है। दलदल को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि हमेशा कंटेंट और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को प्राथमिकता देती हैं। जहां कई कलाकार ऐसे किरदारों से हिचकते हैं जिनमें शारीरिक बदलाव, गहरी भावनात्मक तैयारी और व्यक्तित्व में बदलाव की जरूरत होती है, वहीं भूमि ने इन्हें अपनी ताकत बना लिया है।

ओ रोमियो का गाना पान की दुकान कर देगा झूमने को मजबूर

बॉलीवुड फिल्म ओ रोमियो में लीड रोल कर रहे अभिनेता शाहिद कपूर ने मुंबई में एक इवेंट के दौरान फिल्म का नया गाना पान की दुकान रिलीज किया। फैंस को शाहिद का यह गाना काफी पसंद आ रहा है। सॉन्ग पान की दुकान एक हाई-एनर्जी वाला डांस नंबर है, जिसमें शाहिद कपूर का स्वैग और डांस स्टेप्स कमाल के हैं। गाने में उनके डांस मूव्स दर्शकों को काफी पसंद आ रहे हैं। यह गाना इतना जबरदस्त है कि इसे सुनकर हर कोई झूमने को मजबूर हो जाए। वहीं, गाने में दिशा की मौजूदगी ने चार चांद लगा दिए हैं। गाने में उनकी ग्रेसफुल और ग्लैमरस परफॉर्मेंस फैंस को और भी ज्यादा भा रही है। गाने को सुखविंदर सिंह और रेखा भारद्वाज ने मिलकर गाया है, जबकि इसके लिरिक्स गुलजार साहब ने लिखे हैं और विशाल भारद्वाज ने इसका संगीत तैयार किया है। विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित फिल्म को साजिद नाडियाडवाला प्रस्तुत कर रहे हैं और प्रोडक्शन नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट की तरफ से है। फिल्म में शाहिद के अलावा, तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्?ना भाटिया और फरीदा जलाल जैसे कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है।

फिल्म में शाहिद ने एक माफिया डॉन हुसैन उस्तरा का किरदार निभाया है। वहीं, सपना उर्फ सपना दीदी के रोल में तृप्ति डिमरी नजर आ रही हैं। बता दें कि फिल्म की रिलीज को लेकर काफी विवाद चल रहा है। दरअसल, हुसैन उस्तारा की बेटी सनोबर शेख ने कोर्ट में फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने के लिए याचिका दायर की। उनका कहना है कि फिल्म में शाहिद कपूर के किरदार हुसैनन उस्तारा शेख उनके पिता से प्रेरित है। उनका कहना है कि फिल्म में उनके पिता के बारे में गलत तरीके से बताया गया है। हालांकि फिल्म निर्माता सनोबर शेख के इस दावे को सिरे से नकार चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

पोंटिंग ने बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये हैं। पोंटिंग ने कहा है कि बाबर ने जिस प्रकार से एसोसिएट टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ धीमी बल्लेबाजी की है। उससे साफ है कि वह सहज नहीं हैं। इसके बाद भी वह नीदरलैंड्स के खिलाफ 18 गेंदों में केवल15 रन ही बना पाये। इस पारी के दौरान वह न एक भी चौका , छक्का नहीं लगा पाये। पोंटिंग के अनुसार आजम के शॉट में पहले जैसी ताकत नजर आई और न ही टाइमिंग नजर नहीं आई। पोंटिंग ने कहा, अगर आप 18 गेंदों में 15 रन बना रहे हैं तो इससे साफ है कि आप दबाव में है और स्ट्राइक भी रोटेट नहीं कर पा रहे। इससे दूसरे बल्लेबाजों पर भी दबाव आता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बाबर को फिर से नंबर-3 पर बल्लेबाजी करानी चाहिए जिससे वह पावरप्ले के दौरान मैदान की पाबंदियों का लाभ उठाकर रन बना सकें। पोंटिंग ही नहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भी कहा कि बाबर अपने पहले ही मैच में रनों के लिए जूझते दिखे।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा

लीमा। भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा। साथ ही कहा , ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

आईसीसी ने इस बार टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायीं : अश्विन

चेन्नई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायी है। अश्विन के अनुसार इससे मुकाबले रोमांचक हो रहे है क्योंकि पिच से बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में हर कोई सोच रहा था कि विश्वकप में बड़े स्कोर बनेंगे पर अभी तक हुए मैचों में ये बात गलत साबित हुई है। ये खुशी की बात है कि आईसीसी ने ऐसी पिचें तैयार की हैं जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी टक्कर हो रही है। इससे खेल का स्तर बढ़ा है। अश्विन ने कहा कि टेस्ट खेलने वाले देश आईपीएल और द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ऐसी पिचों की उम्मीद करते हैं जिसपर आसनी से रन आयें। इस बार ऐसी टीमों को हैरानी हुई है। वानखेड़े स्टेडियम को ही लें भारतीय टीम को वहां सपाट पिच की उम्मीद थी पर जो पिच मिली वह काफी अलग रही। इससे टीम के लिए रन बनाना आसान नहीं रहा। अश्विन का मानना है कि पिच की इस प्रकृति ने टीमों को हैरान कर दिया है। उन्हें वह गति और उछाल नहीं मिल रहा है जिसकी उन्होंने भविष्यवाणी की थी। इसकी वजह से खेल और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि जब मैच में बल्ले और गेंद के बीच सही संतुलन होता है, तो टी20 क्रिकेट का मजा और बढ़ जाता है।

अर्शदीप के पास टी20 विश्व कप में शीर्ष दस गेंदबाजों में जगह बनाने का अवसर

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप के पास इस बार विश्वकप में शीर्ष दस गेंदबाजों में आने का अवसर है। आज तक हुए विश्वकप मुकाबलों में भारतीय का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है पर इसके बाद भी शीर्ष 10 में एक भी भारतीय गेंदबाज नहीं है। टी20 विश्व कप में अब तक भारत के सबसे सफल गेंदबाज आर अश्विन रहे हैं। अश्विन ने 24 मैचों में 32 विकेट लिए हैं और वह 13वें स्थान पर हैं। वहीं विश्व कप के 15 मैचों में अर्शदीप के नाम 29 विकेट हैं और वह 19 वें स्थान पर है। अर्शदीप के पास इसबार ज्यादा से ज्यादा विकेट लेकर अश्विन को पीछे छोडने के साथ ही शीर्ष भारतीय गेंदबाज बनने का अवसर है। शीर्ष पांच गेंदबाजों में एशियाई गेंदबाज छाये हुए हैं पर इसमें एक भी भारत का नहीं है। पहले स्थान पर बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन हैं। शाकिब ने 43 मैचों में 50 विकेट लिए हैं। वहीं श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने 20 मैचों में 40 विकेट लिए हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के 34 मैचों में 39 विकेट हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान हैं। राशिद ने अब तक खेले 24 मैचों में 38 विकेट लिए हैं। पांचवें नंबर पर श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा हैं। मलिंगा ने 31 मैचों में 38 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई एडम जांपा भी 21 मैचों में 36 विकेट लेकर छठे स्थान पर हैं और उनके पास भी शीर्ष स्थान पर जाने का मौका है। पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सईद अजमल सातवें स्थान पर हैं। अजमल के नाम 2009 से 2014 के बीच 23 मैचों में 36 विकेट हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व गेंदबाज टिम साउदी आठवें स्थान पर हैं। साउदी ने 2010 से 2024 के बीच 25 मैचों में 36 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्किया नौवें स्थान पर हैं। नॉर्किया ने 19 मैचों में 35 विकेट लिए हैं। श्रीलंका के अजंता मेंडिस दसवें स्थान पर हैं। 2009 से 2014 के बीच मेंडिस ने 21 मैचों में 35 विकेट लिए हैं।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया : गंभीर

कोच के तौर पर मेरा काम आसान हुआ

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम कर कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह केवल नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में किस प्रकार के हैं। कोच के तौर पर दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं पर सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखते है, जो हर कोच चाहता है।

सूर्यकुमार ने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ पारी को संभालकर टीम को जीत दिलायी। उन्होंने एक छोर से विकेटों के गिरने के बची भी 49 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाकर टीम को मैच में बनाये रखा। गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है पर कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर वह हर परीक्षा खरे उतरे हैं। इससे मुझे भी काफी आराम मिल गया है क्यों मेरा काफी काम वहीं कर देते हैं। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं। यह सौभाग्य की बात है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही फैसला लेते हैं। गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास के बाद गंभीर ने ही सूर्या को कप्तानी देने की मांग की थी।

बीसीसीआई ने नये केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा की, विराट ओर रोहित का हुआ डिमोशन

शमी सहित पांच खिलाड़ी हुए बाहर, साई सुदर्शन शामिल

मुंबई ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में कई बदलाव हुए हैं। बीसीसीआई ने साल 2025-26 सत्र के लिए नया केन्द्रीय अनुबंध जारी कर दिया है। इसमें अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का डिमोशन हुआ है। वहीं ईशान किशन और मोहम्मद शमी सहित पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। बोर्ड ने इस बार ए प्लस कैटेगरी को भी हटा दिया है। अब ए कैटेगरी में ही टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के साथ जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को रखा गया है। वहीं नए केन्द्रीय अनुबंध में कुल 5 खिलाड़ियों मोहम्मद शमी, रजत पाटीदार, सरफराज खान, मुकेश कुमार और ईशान किशन को बाहर कर दिया गया है जबकि एक ही नये खिलाड़ी साई सुदर्शन को इसमें जगह मिली है।

इस बार 34 की जगह 30 खिलाड़ियों को ही अनुबंध दिया गया है। शमी को बाहर किए जाने से तय है कि अब उनका करियर समाप्त हो रहा है और वह टीम योजनाओं में शामिल नहीं हैं। वहीं ईशान, मुकेश और सरफराज को एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने के कारण बाहर कर दिया गया। ईशान को टी20 प्रारुप में जगह मिली है पर

उनकी वापसी नये सत्र में हुई है। यह वापसी नए साइकिल में हुई है। वहीं सीनियर पुरुष अनुबंध सूची में नये खिलाड़ी के तौर पर केवल सुदर्शन को जगह मिली है। बोर्ड ने अभी तक रिटेनरशिप की राशि की जानकारी नहीं दी है। ए प्लस ग्रुप इस बार समाप्त कर दिया गया है इसमें 7 करोड़ मिलते थे जबकि ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़ और सी में एक करोड़ मिलते थे। अब देखना है कि इस बार इसमें कितनी रकम मिलती है।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध

ग्रेड ए-शुभमन गिल,जसप्रीत बुमरा,रवींद्र जड़ेजा।
ग्रेड बी - विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर।
ग्रेड सी - अक्षर पटेल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नितीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई।

बिजनेस न्यूज

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.48 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.77 पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति के बाद से मुद्रा बाजार में उत्साह की बजाय सतर्कता का माहौल बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.63 पर खुला। फिर और टूटकर 90.77 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को उतार-चढ़ाव भरा कारोबार करते हुए अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 97.79 पर रहा।

रुपया 11 पैसे टूटकर 90.77 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.77 पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति के बाद से मुद्रा बाजार में उत्साह की बजाय सतर्कता का माहौल बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.63 पर खुला। फिर और टूटकर 90.77 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को उतार-चढ़ाव भरा कारोबार करते हुए अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.79 पर रहा।

सोना 2,065 की गिरावट के साथ खुला, चांदी भी फिसली

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को कमजोरी के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार में दोनों कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिला, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी नरमी का रुख बना रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2,065 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,001 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,58,066 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 776 रुपये टूटकर 1,57,290 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में सोने ने 1,58,070 रुपये का उच्च और 1,56,001 रुपये का निचला स्तर छुआ। पिछले महीने सोने ने 1,80,779 रुपये का रिकॉर्ड उच्च स्तर बनाया था। चांदी के वायदा भाव भी दबाव में रहे। एमसीएक्स पर मार्च कॉन्ट्रैक्ट 2,623 रुपये की गिरावट के साथ 2,59,997 रुपये प्रति किलो पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,62,620 रुपये था। इस समय चांदी 4,905 रुपये टूटकर 2,57,715 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान इसने 2,60,527 रुपये का उच्च और 2,59,997 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर दर्ज किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 5,084.30 डॉलर प्रति औंस पर खुला था, लेकिन बाद में 28.60 डॉलर गिरकर 5,050.80 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छुआ है। कॉमेक्स पर चांदी 83.21 डॉलर प्रति औंस पर खुली, लेकिन खबर लिखे जाने तक 1.08 डॉलर की गिरावट के साथ 81.15 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। चांदी ने इस साल 121.79 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर बनाया है।

शेयर बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत

मुंबई। वैश्विक बाजारों से ?मिले मजबूत संकेतों की वजह से मंगलवार के कारोबारी ?दिन भारतीय शेयर बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। निवेशकों का भरोसा बढ़ा हुआ नजर आया और बाजार खुलने के साथ ही खरीदारी का माहौल बन गया। बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद स्तर से करीब 144 अंकों की तेजी के साथ 84,210 के स्तर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 84,270 के आसपास पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी 50 ने भी करीब 57 अंकों की बढ़त के साथ 25,922.65 के स्तर पर कारोबार शुरु किया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंकों की मजबूती के साथ 84,270 के ऊपर ट्रेड करता दिखा। निफ्टी भी 56 अंकों की तेजी के साथ 25,924 के आसपास बना रहा। शुरुआती सत्र में बाजार की यह मजबूती निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। भारतीय बाजारों को मजबूती का सबसे बड़ा सहारा वैश्विक बाजारों से मिला। अमेरिकी शेयर बाजारों में सोमवार को टेक शेयरों की अगुवाई में अच्छी तेजी देखने को मिली। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार करते नजर आए। इन सकारात्मक वैश्विक संकेतों का असर भारतीय बाजार की ओपनिंग पर भी दिखा। शुरुआती कारोबार में आईटी, बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। आज बाजार की आगे की दिशा तिमाही नतीजों पर निर्भर करेगी।

टीवीएस अपाचे बनी नंबर.1 बाइक

नई दिल्ली। दोपहिया बाजार में 150सीसी से 200सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट में जबरदस्त 72प्रतिशत से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई। इस सेगमेंट पर दबदबा जमाने का काम टीवीएस अपाचे ने किया। टीवीएस अपाचे ने सभी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए 117प्रतिशत की सालाना ग्रोथ हासिल की। इतनी तेजी से बढ़ती बिक्री के चलते टॉप-16 मॉडलों में अकेले अपाचे ने 28.73प्रतिशत मार्केट शेयर पर कब्जा जमाया। दिसंबर 2025 में टीवीएस अपाचे की 45,507 यूनिट बिकीं, जो दिसंबर 2024 में दर्ज 20,885 यूनिट्स की तुलना में 24,622 यूनिट ज्यादा हैं। बजाज पल्सर ने भी मजबूत प्रदर्शन किया और दिसंबर 2025 में इसकी 35,620 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 70.66प्रतिशत अधिक है। होंडा यूनिकॉर्न ने भी 60प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ दर्ज की और दिसंबर 2025 में इसकी 33,640 यूनिट्स की बिक्री हुई।

बॉटम

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 208 , निफ्टी 67 अंक ऊपर आया

मुंबई ● एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज वाहन और घातु शेयरों में जमकर खरीदारी हुई जिससे बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 208.17 अंक बढ़कर 84,273.92 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 67.85 अंक उछलकर 25,935.15 पर बंद हुआ। आज निफ्टी ऑटो , निफ्टी मेटल , निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी पीएसई और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में तेजी रही जबकि फ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 294.75 अंक बढ़कर 60,735.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 65.30 अंक उछलकर 17,451.20 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एमएंडएम, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एलएंडटी, टीसीएस, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, टाइटन, सन फार्मा और बजाज फिनसर्व के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, एसबीआई, इंडिगो और बीईएल के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद स्तर से करीब 144 अंकों की तेजी के साथ 84,210 के स्तर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 84,270 के आसपास पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 भी करीब 57 अंकों की बढ़त के साथ 25,922.65 के स्तर पर कारोबार शुरू किया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंकों की मजबूती के साथ 84,270 के ऊपर ट्रेड करता दिखा। निफ्टी भी 56 अंकों की तेजी के साथ 25,924 के आसपास बना रहा। आजएशियाई बाजारों में जापान का निक्केई, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार करते नजर आए।

न्यूज ब्रीफ

विदेशी निर्भरता से किसान बर्बाद, भाजपा किसान विरोधी : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि खेती से जुड़ी हर चीज़ विदेश से आएगी तो देश का किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में किसान क्या उगाएगा, क्या बेचेगा और अपनी मेहनत की कमाई से परिवार कैसे चलाएगा। मंगलवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर अखिलेश यादव ने कहा कि जब किसान को उसकी फसल का उचित दाम नहीं मिलेगा तो वह बच्चों की पढ़ाई, घर के बुज़ुर्गों का इलाज और बेटियों की शादी जैसे सामाजिक दायित्व कैसे निभा पाएगा। आज का पेट भरना मुश्किल होगा तो कल के लिए बचत की उम्मीद करना बेमानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को नुकसान पहुँचाकर कोई भी सरकार लंबे समय तक देश नहीं चला सकती। भाजपा सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वह विदेशी ताकतों के सामने देश के अन्नदाता के हितों का समर्पण क्यों कर रही है। कभी भूमि अधिग्रहण के नाम पर खेती छीनने की साज़िश रची जाती है तो कभी काले कानूनों के जरिए किसानों को संकट में धकेला जाता है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया

इंफाल। मणिपुर में नई सरकार के गठन के महज एक सप्ताह बाद ही हालात फिर बिगड़ते दिख रहे हैं। उखरुल जिले के लिटन सरेइखोंग गांव में हिंसा भड़क उठी, जहां उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया। घटना के बाद प्रशासन ने एहतियातन पूरे क्षेत्र में पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित की हैं। जानकारी के अनुसार, लिटन सरेइखोंग गांव में यह हिंसा तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हाल ही में हुई झड़प के बाद सामने आई है। आगजनी की घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थिति को काबू में रखने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। मणिपुर सरकार में मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने बताया कि हिंसा के दौरान करीब 21 घरों को जलाया गया है। उन्होंने कहा कि हालात फिलहाल तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मंत्री के अनुसार, किसी भी नई घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा हैं और शांति बहाली के प्रयास हो रहे हैं। इस बीच, तांगखुल नागा समुदाय से जुड़े दो संगठनों–काथो लॉन्ग और काथो कटमनाओ लॉन्ग–ने उखरुल और उससे सटे कामजोंग जिले में कुकी समुदाय के लोगों के आने-जाने पर रोक लगाने का ऐलान किया है।

राहुल गांधी बोले- बीजेपी असुविधाजनक सच्चाई को फेलने से रोकने और दबाने की कोशिश कर रही

नई दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित किताब को लेकर संसद में जारी गतिरोध के बीच, राहुल गांधी ने सरकार और पुस्तक के प्रकाशक पेंगुइन पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया है कि संस्मरण सार्वजनिक डोमेन में हैं और बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह असुविधाजनक सच्चाई को फैलने से रोकने के लिए इसे दबाने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद मीडिया से बात में आरोप लगाया कि यह पुस्तक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन पर उपलब्ध है, जिसे पेंगुइन ने सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने पत्रकारों को सेना के एक पूर्व प्रमुख द्वारा 2023 में की गई एक एक्स पोस्ट भी दिखाई, जिसमें उन्होंने लोगों से 2020 में गलवान झड़पों में हुई घटनाओं का विवरण देने वाले संस्मरण पढ ` का आग्रह किया था। राहुल गांधी ने कहा कि नरवणे ने 2023 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया था। बस लिंक पर क्लिक करें और पढ़ सकते हैं, जय हिंद। या तो पेंगुइन झूठ बोल रहा है या फिर पूर्व सेना प्रमुख, दोनों सही नहीं हो सकते। पिछले एक सप्ताह से ज्यादा समय से पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब को लेकर लोकसभा में बार-बार व्यवधान उत्पन्न हो रहा है।

संविधान के तहत औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद ही होगा ऐलान

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस ने अपना रुख कर दिया साफ

नई दिल्ली ● एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ संभावित अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। पार्टी ने कहा है कि यदि इस दिशा में कोई कदम उठाया जाता है, तो उसे पूरी तरह संवैधानिक प्रक्रिया के तहत औपचारिक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद ही सार्वजनिक किया जाएगा। कांग्रेस ने यह भी साफ किया कि जब तक अविश्वास प्रस्ताव विधिवत रूप से पेश नहीं हो जाता, तब तक वह किसी भी तरह की अटकलों या चर्चाओं पर प्रतिक्रिया नहीं देगी। इस मुद्दे पर कांग्रेस की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की प्रक्रिया संविधान में स्पष्ट रूप से परिभाषित है। उन्होंने कहा, कि जैसे ही संविधान के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जाएगा, हम उसे सार्वजनिक रूप से घोषित करेंगे। औपचारिक घोषणा से पहले किसी भी तरह की उम्मीदों या कयासों पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। हालांकि, राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि कांग्रेस जल्द ही लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा के महासचिव को सौंप सकती

है। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब संसद के मौजूदा सत्र के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है। बार-बार हंगामे, तीखी बहस और कार्यवाही में व्यवधान इस सत्र की प्रमुख पहचान बनते जा रहे हैं। इंडिया ब्लॉक से जुड़े विपक्षी दलों के बीच भी इस मुद्दे पर गंभीर मंथन चल रहा है। विपक्ष का आरोप है, कि लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के संचालन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया है। खास तौर पर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने का अवसर न दिए जाने को विपक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं के खिलाफ बता रहा है। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने भी इस मुद्दे पर सरकार और अध्यक्ष की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आपत्ति किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि न्याय, निष्पक्षता और संविधान के पालन से जुड़ी है। उनका आरोप है कि राहुल गांधी को बोलने से रोकने के पीछे स्पष्ट मंशा दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि डर सुरक्षा का नहीं, बल्कि राहुल गांधी के बयानों का है। सुखदेव भगत ने आगे कहा कि यदि अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है, तो वह किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं होगा, बल्कि एक संवैधानिक पद की गरिमा और निष्पक्षता को लेकर होगा। उनके अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष का पद सरकार के इशारों पर नहीं, बल्कि संविधान के अनुसार काम करने वाला होना चाहिए। विपक्षी नेताओं का कहना है कि अविश्वास प्रस्ताव पर विचार करने की वजहों में आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन, पूर्व प्रधानमंत्रियों पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बावजूद एक भाजपा सांसद पर कार्रवाई न होना, और महिला कांग्रेस सांसदों पर लगाए गए बिना सबूत के आरोप भी शामिल हैं। इन सभी मुद्दों को लेकर विपक्ष का कहना है कि संसद में निष्पक्षता और संतुलन की डोर लगातार कमजोर होती जा रही है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश, 118 सांसदों के हस्ताक्षर

सचिवालय करेगा नियमों के तहत जांच

नई दिल्ली ● एजेंसी

कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की औपचारिक पहल कर दी है। पार्टी ने इस संबंध में लोकसभा महासचिव को नोटिस सौंपा है, जिस पर कुल 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। यह प्रस्ताव लोकसभा के नियम 94(सी) के तहत दाखिल किया गया है। लोकसभा सचिवालय ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि नियमों के अनुरूप इसकी जांच के बाद आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब संसद के मौजूदा सत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव चरम पर है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया गया। इसके अलावा, कांग्रेस की महिला सांसदों के साथ कथित रूप से अनुचित व्यवहार का मुद्दा भी विपक्ष द्वारा उठाया गया है। विपक्ष का कहना है कि लोकसभा में विपक्षी नेताओं को अपनी बात रखने से रोका जा रहा है, जबकि सत्तापक्ष के सदस्यों को खुलकर बोलने की छूट दी जा रही है। इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ऐसे अविश्वास प्रस्ताव से कोई प्रभाव नहीं पडऩे वाला है, क्योंकि विपक्ष के

पास आवश्यक संख्या बल नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने सदन में अनुशासनहीनता दिखाई और स्पीकर के पद की मर्यादा का उल्लंघन किया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे स्पीकर से किसी विशेष कार्रवाई की मांग नहीं कर रहे हैं। इससे पहले मंगलवार सुबह संसद परिसर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में विपक्षी दलों की अहम बैठक हुई थी। बैठक में तृणमूल कांग्रेस, वाम दल, डीएमके, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद पवार गुट) सहित कई दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। भारतीय संसदीय इतिहास में यह चौथा अवसर है, जब लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। इससे पहले 1954, 1966 और 1987 में भी ऐसे प्रस्ताव पेश किए जा चुके हैं, लेकिन किसी को भी सदन का समर्थन नहीं मिल पाया था। संविधान के अनुच्छेद 94 के तहत लोकसभा स्पीकर को हटाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस और सदन में बहुमत का समर्थन अनिवार्य होता है। अब सभी की निगाहें लोकसभा सचिवालय की जांच और आगामी प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं, जिससे यह तय होगा कि यह प्रस्ताव सदन में चर्चा के लिए स्वीकार किया जाएगा या नहीं।

तैयारियां शुरुः सोमनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर पांच लाख श्रद्धालुओं के पहुँचने की उम्मीद

अहमदाबाद। ज्योतिर्लिंगों में प्रथम भगवान सोमनाथ के मंदिर में इस वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व ऐतिहासिक होने जा रहा है। आगामी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर यहाँ लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं के पहुँचने की संभावना है। गिर सोमनाथ जिला प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट ने इस विशाल जनसमूह की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए व्यापक तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी एन. वी. उपाध्याय ने बताया कि पिछले महीने आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के बाद से यहाँ आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में भारी उछाल देखा गया है। जनवरी1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के 1,000 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जनवरी में एक राष्ट्रीय क र्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शिरकत की थी। इस आयोजन के बाद मंदिर की लोकप्रियता और धार्मिक महत्ता को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। आंकड़ों के अनुसार, जहाँ सामान्य दिनों में यहाँ प्रतिदिन लगभग 20,000 श्रद्धालु आते थे।

पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब पर घमासान, प्रकाशक ने कहा- बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं

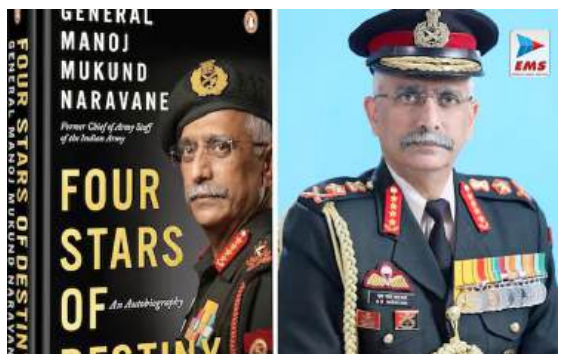

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की बहुचर्चित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी एक बार फिर विवादों और चर्चाओं के केंद्र में आ गई है। पुस्तक के आधिकारिक प्रकाशक संस्थान 'पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) ने एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि इस पुस्तक के प्रकाशन और वितरण के विशेष अधिकार केवल उनके पास सुरक्षित हैं और यह पुस्तक अभी तक आधिकारिक तौर पर बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है। यह विवाद तब और गहरा गया जब पिछले सप्ताह संसद परिसर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर इस पुस्तक की एक प्रति हाथ में लिए देखा गया। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर पुस्तक की उपलब्धता और इसके लीक होने को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि, प्रकाशक ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति मुद्रित या डिजिटल रूप में प्रकाशित, वितरित या बेची नहीं गई है। प्रकाशक ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वर्तमान में सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर प्रसारित हो रहे पुस्तक के किसी भी संस्करण को कॉपीराइट का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने पूर्व सैन्य प्रमुख की इस अप्रकाशित पुस्तक के अंशों के सोशल मीडिया पर अवैध रूप से प्रसारित होने के मामले में एक प्राथमिकी भी दर्ज की थी। सैन्य और राजनीतिक गलियारों में इस आत्मकथा का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, क्योंकि इसमें जनरल नरवणे ने अपने लंबे और गौरवशाली सैन्य करियर के कई अनछुए पहलुओं को साझा किया है। विशेष रूप से पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ हुए हिंसक गतिरोध और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी अग्निपथ योजना जैसे संवेदनशील विषयों पर उनके अनुभवों और विचारों को लेकर काफी उत्सुकता बनी हुई है। प्रकाशक के इस नए बयान ने एक ओर जहां पुस्तक की उपलब्धता पर चल रही अफवाहों पर विराम लगाया है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी के पास दिखी कथित प्रति ने कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, यह मामला कानूनी और सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर है। जानकारों का मानना है कि इस विवाद के बाद पुस्तक की मांग और अधिक बढ़ सकती है, लेकिन पाठकों को इसके आधिकारिक विमोचन के लिए अभी और इंतजार करना होगा।

कई बार राजनीतिक जंग सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाती है इस पर विचार करना चाहिए : सीजेआई

नई दिल्ली ● एजेंसी

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कई बार राजनीतिक जंग सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाती है। उन्होंने इस याचिका पर विचार करने की बात कही। विपक्ष ने सीएम सरमा के मुस्लिमों पर निशाना लगाते वीडियो और भाषण पर आपत्ति जताई थी। शीर्ष न्यायालय में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि परेशानी यह है कि जब चुनाव आते हैं, जो कई बार उन्हें यहां सुप्रीम कोर्ट में लड़ा जाता है। हम इसे देखेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया नेता एनी राजा की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। उन्होंने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के 27 जनवरी को दिए भाषण पर आपत्ति जताई थी। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट पहुंचे एडवोकेट ने कहा कि मीलॉर्ड राजनीतिक दल के सदस्य की तरफ से हेट स्पीच के खिलाफ एक याचिका दाखिल हुई है। एक वीडियो भी है, जिसमें हिमंत सरमा मुस्लिमों पर निशाना लगाते नजर आ रहे हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सीएम हिमंत सरमा के भाषण के खिलाफ 2 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कहा कि विशेष रूप से उच्च संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति की तरफ से दिए गए इस तरह के बयानों को राजनीतिक बयानबाजी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सीएम सरमा ने 27 जनवरी को डिगबोई में एक कार्यक्रम में कहा कि 'मिया समुदाय के लोगों को राज्य में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची से 'मिया मतदाताओं के नाम हटाना केवल एक शुरुआती कदम है, और जब बाद में राज्य में एसआईटार किया जाएगा, तो बांग्लादेश के मुसलमानों के चार से पांच लाख वोट रद्द कर दिए जाएंगे। सीएम सरमा ने कहा था कि हां, हम मिया समुदाय के वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें हमारे देश में नहीं, बल्कि बांग्लादेश में वोट देना चाहिए। हम यह तय करने के लिए व्यवस्था कर रहे हैं कि वे असम में वोट न दे सकें। उन्होंने कहा था कि अगर मिया समुदाय को इस संबंध में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, तो हमें क्यों चिंतित होना चाहिए?

बॉटम

मोदी सरकार पर हमलावार खरगे

भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य में रूसी तेल के बारे में कुछ नहीं कहा गया

नई दिल्ली ● एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे को लेकर केंद्र की मोदी सरकार की आलोचना कर दावा किया कि यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, किसानों, पशुधन और कपड़ा क्षेत्र को कमजोर करता है। इस समझौते को जनसंपर्क का दिखावा बताकर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सवाल उठाया कि क्या यह भारत के रणनीतिक और आर्थिक हितों की रक्षा करता है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि 9 फरवरी को जारी व्हाइट हाउस के समझौते संबंधी तथ्य पत्र में ऐसी शर्तें बताई गई हैं जो 6 फरवरी के भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य में शामिल नहीं थीं। कांग्रेस नेता खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि वक्तव्य में रूस से तेल खरीदना बंद करने की भारत की प्रतिबद्धता को 25 प्रतिशत अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क हटाने की शर्त के रूप में सूचीबद्ध किया था, जो उनके अनुसार भारत की संप्रभुता का सीधा हनन है। सोशल मीडिया पोस्ट पर खरगे ने लिखा कि हमें बताया गया था कि भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य में रूसी तेल के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सार्वजनिक रूप से इसके विपरीत ट्वीट किया था। अब व्हाइट हाउस के फैक्ट शीट में स्पष्ट रूप से रूसी संघ से तेल खरीदना बंद करने की भारत की प्रतिबद्धता को अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ हटाने की शर्त के रूप में सूचीबद्ध किया है। मोदी सरकार ने भारत की संप्रभुता के इस हनन पर सहमति जाहिर की हैं क्यों? कांग्रेस पार्टी ने पहले ही उस कार्यकारी आदेश का खुलासा कर दिया था जिसके तहत भारत को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तेल आयात के लिए अमेरिकी निगरानी में रखा गया था। कांग्रेस नेता खरगे ने कृषि को लेकर भी चिंता जताकर आरोप लगाया कि दालें और आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) चारा, जिसमें सूखे डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी) और पशुओं के चारे के लिए लाल ज्वार शामिल हैं, को चुपचाप समझौते में शामिल किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि इसके परिणामस्वरूप 2 करोड़ दुधारू किसान और देश की पशुधन आबादी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने पोस्ट कर बताया कि भारत के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने हमारी कृषि को विदेशी वस्तुओं के लिए पूरी तरह खोल दिया है। अब हमें पता चल गया है कि मोदी सरकार द्वारा स्वीकृत भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य में अतिरिक्त उत्पाद का वास्तव में क्या अर्थ था! 9 फरवरी को जारी व्हाइट हाउस के नए फैक्ट शीट में चुपचाप 'दालों को शामिल किया गया है, जो 6 फरवरी, 2026 को जारी भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य का हिस्सा नहीं था। संयुक्त वक्तव्य में भारत में लाल ज्वार के आयात की उपयोगिता का उल्लेख किया गया था, लेकिन 'पशु आहार से संबंधित वह उपयोगिता अब 9 फरवरी, 2026 के व्हाइट हाउस फैक्ट शीट से रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नबंर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)